वर्ष : 34 ▸ अंक :36 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, रविवार, 13 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

'नई पीढ़ी के फिल्ममेकर खो चुके हैं वो जज्बा '

▸ पेज -7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के लिए भी तय की डेडलाइन

▸ पेज - 8

न्यूज़ ब्रीफ

राणा से साजिश के राज उगलवाने में जुटी एनआईए

नई दिल्ली/मुंबई। मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा से एनआईए हर राज उगलवाने की कोशिश में जुटी है। सूत्रों की मानें तो एनआईए इसके लिए जल्द कुछ गवाहों से उसका सामना करा सकती है। एनआईए मुख्यायलय में पहले दिन की ना नुकर के बाद शनिवार को पूछताछ में तहव्वुर राणा से उसकी कुछ व्यक्तिगत जानकारियां मिली हैं। इसके अलावा साजिश के कुछ अन्य अहम किरदारों पर जब कुछ सबूत तहव्वुर को दिखाए गए तो वह एनआईए अधिकारियों के सामने उलझ गया। अन्य किरदारों पर उसकी हां से एनआईए अधिक से अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। एनआईए के सूत्रों ने बताया कि जल्द ही राणा का सामना एक महत्वपूर्ण गवाह से करवाया जा सकता है।

स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स टैरिफ के दायरे से रहेंगे बाहर

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स को रेसिप्रोकल टैरिफ के दायरे से बाहर रखने का फैसला लिया है। इस कदम से लोगों के बीच लोकप्रिय इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की कीमतों को कम रखने में मदद मिलेगी, जो आमतौर पर अमेरिका में नहीं बनते हैं। शुक्रवार को हुई इस घोषणा से एप्पल और सैमसंग जैसी बड़ी टेक कंपनियों को भी फायदा होगा। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने बताया कि स्मार्टफोन, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव, फ्लैट-पैनल मॉनिटर और कुछ चिप्स को छूट मिलेगी। सेमीकंडक्टर बनाने वाली मशीनें भी इस लिस्ट में हैं। यानी इन पर चाइना के लिए 145% या बाकी जगहों के लिए 10% बेसलाइन टैरिफ नहीं लगेगा।

रायगढ़ में शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर जनसभा को किया संबोधित

खुद को आलमगीर मानने वाला औरंगजेब महाराष्ट्र में दफन : शाह

- पूरी जिंदगी औरंगजेब मराठाओं से लड़ा और यहीं पर मर गया
- शिवाजी की इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस प्रेरणा का स्रोत

एजेंसी । रायगढ़

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि औरंगजेब खुद को आलमगीर बताता था। वे पूरी जिंदगी महाराष्ट्र में मराठाओं से लड़ा, हारे हुए व्यक्ति के रूप में मरा और यहीं पर दफन हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि के मौके पर रायगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की विचारधारा 'स्वधर्म और स्वराज की थी। वे देश के 100वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत को सुपरपावर बनने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे शिवाजी को सिर्फ राज्य तक सीमित नहीं रखें। उनकी इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है क्योंकि उन्होंने रणनीतिक तरीके से समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। महाराज ने मुगल शाही को शिकस्त दी थी। महाराष्ट्र के लोगों से लड़ने वाला औरंगजेब महाराष्ट्र की मिट्टी में ही दफन है।

शिवाजी के विचारों पर काम

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार मराठा योद्धा शिवाजी के विचारों पर काम कर रही है। उन्होंने रायगढ़ के किले को मराठा किंगडम की राजधानी बताते हुए कहा कि शिवाजी महाराज की समाधि पूरे भारत और भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ये स्थल एक पर्यटन केंद्र से ज्यादा लोगों को आत्मविश्वास से भरने वाला स्थल है।

राजमुद्रा प्रेरणा का स्रोत

गृहमंत्री ने शिवाजी महाराज की माता जीजाबाइई को स्वर्धम की रक्षा और स्वराज की स्थापना का बीज बोने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि राजशाही चिन्ह 'राजमुद्रा भारतीय नौसेना का हिस्सा है। इससे साबित होता है कि चिन्ह देश के लिए कितना प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस और न्याय क्षेत्र में स्वर्धम और शिवाजी महाराज के सिद्धांतों के लिए लड़ाई जारी रहेगी।

अपमान पर बने कड़ा कानून

भाजपा नेता उदयनराज भोसले ने मांग करते हुए कहा, शिवाजी के अपमान को लेकर कड़ा कानून बनना चाहिए। अपमान के मामले में गैर जमानती दस साल की सजा का प्रावधान होना चाहिए। फिल्मों में भी ऐसा न हो इसके लिए सेंसर बोर्ड पर सख्ती होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हित में पूरा जीवन लगाने वाले व्यक्ति का आज भी अपमान होता है। इसपर रोक के लिए कड़े कानून की जरूरत है।

देरी पर राजभवन में लगे प्रतिमा

भोसले ने कहा, अगर अरब सागर में शिवाजी की प्रतिमा लगने में देरी होती है तो राजभवन में 48 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण हो। गृहमंत्री शाह ने रायगढ़ से एनसीपी के सांसद सुनील तटकरे के आवास पर भोजन किया। मीडिया से बात करते हुए तटकरे ने कहा, भोजन के दौरान सियासी मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने कहा कि गार्जियन मिनिस्टर के मसले पर इस दौरान बात नहीं हुई है।

अरब सागर में शिवाजी की प्रतिमा

कार्यक्रम में मौजूद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अरब सागर में शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस संबंध में बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका भी दायर हो चुकी है। सरकार मजबूती के साथ अदालत में अपना पक्ष रख रही है। उन्होंने दिल्ली में शिवाजी की प्रतिमा लगाने की मांग पर कहा कि वे इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह से बात करेंगे।

नेशनल हेराल्ड केस

सोनिया और राहुल गांधी की बढ़ी मुश्किलें

- ईडी ने शुरू की संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया
- कुर्क संपत्तियों पर कब्जा लेने के लिए नोटिस जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग रूल्स, 2013 के नियम 5 के तहत की जा रही है और यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है।

PMLA के तहत बड़ी कार्रवाई

यह कदम PMLA 2002 की धारा 8 के अंतर्गत Adjudicating Authority द्वारा अस्थायी कुर्की की पुष्टि के बाद उठाया गया है। 11 अप्रैल को ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के संपत्ति पंजीकरण कार्यालयों को नोटिस जारी किया, जिनसे संबंधित संपत्तियां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) की हैं। ये संपत्तियां यंग इंडियन के माध्यम से अधिग्रहित की गई थीं, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी लाभार्थी बताए गए हैं।

हेराल्ड हाउस को भी नोटिस

मुंबई के बांद्रा (पूर्व) स्थित हेराल्ड हाउस की तीन मंजिलों पर काबिज जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया गया है। कंपनी को निर्देश दिया गया है कि भविष्य में किराए की सभी राशि ईडी के पास जमा कराए।

988 करोड़ की संपत्ति की कुर्की

ईडी की जांच में सामने आया है कि 988 करोड़ रुपए की आपराधिक आय की मनी लॉन्ड्रिंग की गई थी। इसमें से 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में हैं, जबकि AJL के 90.2 करोड़ रुपए के शेयर भी शामिल हैं। इन संपत्तियों को 20 नवंबर 2023 को अस्थायी रूप से अटैच किया गया था, जिसकी पुष्टि 10 अप्रैल 2024 को Adjudicating Authority ने की।

2014 में शुरू हुआ विवाद, 2021 में जांच शुरू

यह मामला 2014 में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर निजी शिकायत से शुरू हुआ, जिसमें सोनिया-राहुल समेत कई कांग्रेस नेताओं पर यंग इंडियन के माध्यम से मात्र 50 लाख रुपए में AJL की 2000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां हड़पने का आरोप लगाया गया था। ईडी ने इस मामले में 2021 में औपचारिक जांच शुरू की थी।

पोतों से कार्बन उत्सर्जन कर वसूलेगा संयुक्त राष्ट्र

- 40 अरब डॉलर वर्ष 2030 तक कर से मिलेंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत समेत 62 देशों ने दुनिया में पहली बार नौवहन उद्योग पर ग्लोबल कार्बन कर लगाने के लिए मतदान किया है। ये कर संयुक्त राष्ट्र की शिपिंग एजेंसी इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) वसूलेगी। दुनियाभर में नौवहन उद्योग पर कर लगाने का फैसला शुक्रवार को लंदन स्थित इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) के मुख्यालय में हुई बैठक में लिया गया। कर व्यवस्था 2028 से लागू होगी। कर व्यवस्था में शर्त ये रखी गई है कि पोत या तो कम कार्बन उत्सर्जन वाले ईंधन का इस्तेमाल करें या उनसे जो प्रदूषण हो रहा है उसके लिए कर चुकाएं। अनुमान है कि कर व्यवस्था से वर्ष 2030 तक 40 अरब डॉलर का राजस्व एकत्र होगा। ये फैसला एक सप्ताह तक चली कई बैठकों और समझौतों के बाद लिया गया है। इसका मूल उद्देश्य वैश्विकत स्तर पर पोतों से होने वाले ग्रीन हाउस गैसों को रोकना है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

बैठक में छोटे देशों का पक्ष

- छोटे देशों को आर्थिक मदद का प्रावधान हो
- संपन्न देशों पर कर सीमा ज्यादा तय हो
- पोतों के इस्तेमाल को लेकर नियम बने
- समुद्री क्षेत्र में उत्सर्जन का मूल्यांकन हो

पोत से दोगुना हुआ उत्सर्जन

- वर्ष 1990 के बाद कार्बन उत्सर्जन दोगुना से अधिक हुआ
- 706 मिलियन मिट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन 2023 में हुआ
- विशालकाय पोतों से औसतन 221 मिट्रिक टन उत्सर्जन
- परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन में इसकी हिस्सेदारी 10 फीसदी

समुद्री क्षेत्र होगा स्वच्छ

कर से जो पैसा मिलेगा उसका इस्तेमाल समुद्री क्षेत्र को साफ करने पर होगा। पैसे का इस्तेमाल जलवायु से जुड़े दूसरे मुद्दों को हल करने के लिए नहीं होगा। ये पैसा उत्जर्सन से प्रभावित देशों को भी नहीं मिलेगा। आईएमओ ने कहा है कि पैसे के इस्तेमाल समेत अन्य नीतियां अक्तूबर 2025 तक तैयार होंगी।

उत्सर्जन तीव्रता से तय होगा कर

नई व्यवस्था के तहत पोतों से कर उनकी कार्बन उत्सर्जन तीव्रता के आधार पर वसूला जाएगा। उदाहरण के लिए जैसे वर्ष 2028 में एक पोत से कार्बन उत्सर्जन के लिए 380 डॉलर प्रति टन वसूला जाएगा। इसके अलावा दूसरे तरह के उत्सर्जन के लिए 100 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का भुगतान करना होगा।

दस फीसदी घटेगा उत्सर्जन

अनुमान है कि कार्बन कर के बाद पोत से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को वर्ष 2030 तक सिर्फ दस फीसदी तक ही कम किया जा सकता है। वहीं आईएमओ का लक्ष्य इस फैसले से कार्बन उत्सर्जन को 20 फीसदी तक कम करना था, लेकिन अब वे दूसरे विकल्पों को लेकर मंथन की तैयारी में है।

विरोध में तेल संपन्न देश

भारत के साथ चीन और ब्राजील भी इस फैसले के समर्थन में हैं। वहीं तेल से संपन्न देश जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), रूस और वेनेजुएला इसके विरोध में हैं। अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल ने समझौते से जुड़ी बैठक में भाग नहीं लिया और वोटिंग में भी अमेरिका मौजूद नहीं रहा।

कई देश फैसले से नाखुश

पैसिफिक, कैरिबियाई और मध्य अमेरिका के देशों का तर्क है कि इस पैसे का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में इस्तेमाल किया जाए। देशों की राय थी कि वे जलवायु परिवर्तन से अधिक प्रभावित है, इसलिए उनकी आर्थिक मदद की जाए लेकिन अंतिम नजीजों से वे नाखुश हैं। यूरोपीयन क्लाइमेट फाउंडेशन की सीईओ लॉरेंस तुबियाना ने कहा है कि आईएमओ का फैसला सराहनीय है। प्रदूषण से पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वालों को हर हाल में कीमत चुकानी होगी। नियमों में और सुधार की जरूरत है जिससे प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और संपन्न लोग भी इस दायरे में आएं।

अष्टविनायक गणपति समेत 5 मंदिरों में ड्रेस कोड लागू

- देवालय की पवित्रता बनाए रखने के लिए चिंचवड़ देवस्थान का फैसला

पुणे। अष्टविनायक गणपति समेत पांच मंदिरों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया है। चिंचवड़ देवस्थान ट्रस्ट ने पांच मंदिरों के लिए ड्रेस कोड लागू किया है।चिंचवड़ देवस्थान की ओर से एक सर्कुलर जारी कर इस संबंध में जानकारी दी गई है। 5 मंदिरों के लिए एक ड्रेस कोड लागू किया गया है। इनमें मोरगांव में मोरेश्वर, थेउर में चिंतामणि, सिद्धटेक में सिद्धिविनायक, चिंचवाड़ में मोरया गोसावी संजीवनी मंदिर और खार नारंगी मंदिर। ये सभी पांच मंदिर चिंचवाड़ मंदिर ट्रस्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसलिए चिंचवाड़ देवस्थान ट्रस्ट ने ड्रेस कोड की घोषणा की है।

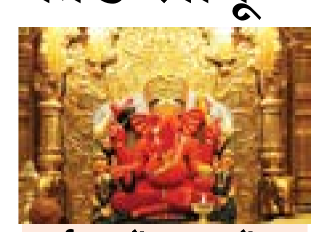

सर्कुलर में वास्तव में क्या कहा गया है?

सर्कुलर में अपील करते हुए कहा गया है कि चिंचवड़ देवस्थान ट्रस्ट महासाधु श्री मोरया गोसावी महाराज के संजीव समाधि मंदिर और श्री मंगलमूर्ति वाड़ा में पूरी आस्था और भक्ति के साथ दर्शन करने आने वाले सभी भक्तों से विनम्र अनुरोध करता है।

मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार बने प्रवीण परदेशी

- देवेंद्र फडणवीस के सबसे पसंदीदा अधिकारी हैं परदेशी

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व आईएएस अधिकारी प्रवीण परदेशी को अपना मुख्य आर्थिक सलाहकार नियुक्त किया है। लंबे समय से इस पद के लिए चर्चाओं में रहे परदेशी को शनिवार को आधिकारिक रूप से यह जिम्मेदारी सौंप दी गई। उनकी नियुक्ति को राज्य की आर्थिक नीतियों में बड़ा कदम माना जा रहा है।

36 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव

1985 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी परदेशी के पास 36 साल से ज्यादा का प्रशासनिक अनुभव है। वे पहले राज्य योजना संगठन 'मित्रा' के सीईओ, मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी के अध्यक्ष, और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के अध्यक्ष जैसे पदों पर रह चुके हैं। प्रवीण परदेशी मुख्यमंत्री फडणवीस के पहले कार्यकाल में अतिरिक्त मुख्य सचिव के तौर पर कार्यरत थे। उस दौरान उनकी कार्यशैली से सीएम बेहद संतुष्ट रहे। यही कारण है कि अब रिटायरमेंट के बाद भी उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रोडमैप तैयार करेंगे

मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र को जल्द से जल्द ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी दिशा में प्रवीण परदेशी की नियुक्ति रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है। उन्हें राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, योजनाओं का वित्तीय दबाव कम करने और आम जनता तक आर्थिक राहत पहुंचाने की दिशा में सुझाव देने का जिम्मा सौंपा गया है।

नीति आयोग की तर्ज पर बने थिंक टैंक 'मित्रा' से जुड़ाव

परदेशी अभी तक महाराष्ट्र सरकार के थिंक टैंक 'महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' (MITRA) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। यह संस्था नीति आयोग की तर्ज पर बनाई गई है, जो राज्य की आर्थिक और सामाजिक नीतियों पर काम करती है।

प्रशासनिक लापरवाही से करोड़ों का नुकसान

कोविड सामग्री से लेकर कचरा गाड़ियों तक, सब हो गया कबाड़

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

नगरपालिका प्रशासन की अनदेखी और गैर जिम्मेदार रवैये के कारण बदलापुर में करोड़ों रुपए का सरकारी सामान बिना उपयोग के ही सड़ गया है। कभी जनता की सेवा और स्वास्थ्य के लिए लाए गए उपकरण और संसाधन आज कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। कोविड काल के दौरान बड़ी मात्रा में खरीदे गए खाट, ग्लूकोज, मास्क, हैंड ग्लव्ज, ग्लूकोज स्टैंड और इंजेक्शन जैसे मेडिकल सामान बिना उपयोग के ही खराब हो गए। दवाएं एक्सपायर हो गईं और इन्हें अन्य अस्पतालों को देने के बजाय भंगार में फेंकना पड़ा।

42 कचरा गाड़ियां बनीं कबाड़, अब हो रही नीलामी

2018 में शहर के 42 वार्डों के लिए गीला-सूखा कचरा अलग-अलग इकट्ठा करने के उद्देश्य से 42 कचरा गाड़ियां खरीदी गई थीं। हर गाड़ी की कीमत लगभग 5.87 लाख रुपए थी और कुल लागत करीब ढाई करोड़ रुपए आई थी। लेकिन इनका इस्तेमाल कभी नहीं हुआ। सात साल से ये गाड़ियां वडवली स्थित एसटीपी सेंटर में खुले आसमान के नीचे खड़ी-खड़ी सड़ गईं। अब इन्हें नीलाम करने की नौबत आ गई है। आरटीओ ने एक गाड़ी की कीमत मात्र 50 हजार रुपए तय की है।

विवादों में घिरी नाले पर बनी इमारत

वीर सावरकर उडान पुल के नीचे नाले पर बनाए जा रहे हॉकर मार्केट के निर्माण को भी रोकना पड़ा, क्योंकि नाले के पानी के बहाव में बाधा आने के चलते तकनीकी आपत्तियां सामने आईं। अब यह इमारत भी विवादों में घिर चुकी है और अधूरी पड़ी है।

प्रशासक ने भी मानी गलती

बदलापुर नपा के मुख्याधिकारी मारुति गायकवाड ने भी स्वीकार किया कि यह नुकसान प्रशासकीय अनदेखी का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि संबंधित योजनाओं पर समय रहते निर्णय और अमल नहीं होने से शहर को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

जनता के टैक्स का दुरुपयोग, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के शहरप्रमुख किशोर पाटील ने 'दोपहर का सामना' से बातचीत में कहा कि बदलापुर के टैक्सदाताओं की मेहनत की कमाई से खरीदे गए सामान का ऐसा दुरुपयोग करना प्रशासन की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने मांग की कि इस नुकसान की भरपाई लापरवाह अधिकारियों के वेतन से की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे मामले न दोहराए जाएं।

डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर वृद्ध महिला से ठगी

डीबीडी संवाददाता | विरार

विरार में रहने वाली 73 वर्षीय महिला को साइबर बदमाशों ने डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी देकर 20 लाख रुपए ठग लिए। यह घटना पिछले 8 महीनों में डिजिटल गिरफ्तारी के जरिए की गई चौथी धोखाधड़ी का मामला है। साइबर अपराधियों ने महिला को नासिक पुलिस स्टेशन से फोन कर मनी लॉन्ड्रिंग और पोर्नोग्राफी के आरोप में डिजिटल रूप से गिरफ्तार करने की धमकी दी।

धोखाधड़ी के लिए साइबर बदमाशों ने महिला को फर्जी एफआईआर, हाई कोर्ट के लेटरहेड के तहत दस्तावेज, और पुलिस पहचान पत्र

भेजे। इसके बाद, आरोपी ने महिला से पैसे की मांग की, ताकि उसे इस मामले से बाहर निकाला जा सके। तीन दिनों में महिला से 20 लाख 30 हजार रुपए ठग लिए गए। इन पैसे को विभिन्न बैंक खातों में भेजा गया।

पिछले 8 महीनों में 4 घटनाएँ

- **4 सितंबर, 2024** – वसई में एक आईटी विशेषज्ञ से 1 करोड़ 41 लाख रुपए ठगे गए।
- **6 सितंबर, 2024** – बैंक से रिटायर एक बुजुर्ग महिला से 28 लाख रुपए ठगे गए।
- **7 अप्रैल, 2025** – महिला वकील से सीबीआई अधिकारी बनकर 50 लाख रुपए ठगे गए।
- **11 अप्रैल, 2025** – नासिक पुलिस अधिकारी बनकर 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला से 20 लाख रुपए ठगे गए।

पुलिस का चेतावनी संदेश

महिला को ठगी का अहसास होने पर उसने बोलिंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस निरीक्षक प्रकाश सावंत ने बताया कि डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई चीज नहीं होती। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि ऐसे किसी भी कॉल का शिकार न बनें और तुरंत स्थानीय पुलिस से संपर्क करें।

सैकड़ों लोगों ने थामी यूबीटी की 'मशाल'

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने कल्याण लोकसभा क्षेत्र में पार्टी विस्तार के प्रयास तेज कर दिए हैं। दिवंगत शहर प्रमुख पिंकी भुल्लर के निधन के बाद रिक्त पद पर कुलविंदर सिंह बैस (बिंदर सेठ) की नियुक्ति के बाद शिवसैनिकों का मनोबल बढ़ा है। इस क्रम में कल्याण जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे और शहर प्रमुख कुलविंदर सिंह बैस के नेतृत्व में उल्हासनगर में भव्य पक्ष प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पक्ष प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन

शिवसेना शाखा में आयोजित इस कार्यक्रम में उपशहर प्रमुख भगवान मोहिते, विभाग प्रमुख दसरथ चौधरी और उपविभाग प्रमुख आदिनाथ पालवे की उपस्थिति में सैकड़ों युवाओं और महिलाओं को पार्टी में शामिल किया गया। जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे ने इन नए शिवसैनिकों को मशाल और मफलर पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उपजिला प्रमुख राजेंद्र साहू, विधानसभा प्रमुख शिवाजी जावले और कई अन्य शिवसेना पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

महंगाई और भ्रष्टाचार पर बोड़ारे का हमला

कार्यक्रम के बाद धनंजय बोड़ारे ने उपस्थित शिवसैनिकों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की स्थिति और शहर की हालत दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार, और कुप्रबंधन को लेकर तीखा हमला बोला। बोड़ारे ने कहा कि शहर की सड़कों की स्थिति बहुत खराब है, पानी के बिलों में वृद्धि की जा रही है, और कचरे के ढेर शहर में फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को रोजगार देने की बजाय 'लाड़ली बहन योजना' के जरिए उन्हें धोखा दे रही है।

IT प्रोफेशनल से 1.96 करोड़ की ठगी

जहरीली शराब पिलाकर हत्या की भी कोशिश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक आईटी प्रोफेशनल से पहले 1.96 करोड़ रुपए की ठगी की गई और फिर उसे जहरीली शराब पिलाकर मारने की कोशिश की गई। इस मामले में मुंबई के सायन निवासी अजींक्य अशोक मोहिते के खिलाफ धोखाधड़ी और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने जुलाई 2022 से फरवरी 2025 के

बीच 43 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल से दोस्ती कर उसे रत्नागिरी जिले के चिपलून में जमीन में निवेश के लिए तैयार किया और इस बहाने उससे 92.7 लाख रुपए नकद ले लिए। इसके बाद धमकी और ब्लैकमेलिंग के जरिए आरोपी ने पीड़ित से संपत्ति के कागजात और कीमती दस्तावेज भी अपने नाम करवाने की कोशिश की।

सोने के सिक्के भी हड़पे, फिर जानलेवा साजिश

पीड़ित ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उससे 1.03 करोड़ रुपए कीमत के सोने के सिक्के भी ऐंठ लिए। सबसे गंभीर मोड़ तब आया जब आरोपी ने उसे शराब में सफेद रंग का संदिग्ध पाउडर मिलाकर पिलाया। जांच में पता चला कि शराब में ट्राइसायक्लिक एंटीडिप्रेसेंट्स और बार्बिटुरेट्स जैसे शक्तिशाली और जानलेवा रसायन मिलाए गए थे। फॉरेंसिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है।

एफआईआर दर्ज, जांच जारी

ठाणे पुलिस ने आरोपी अजींक्य मोहिते के खिलाफ धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और हत्या की कोशिश समेत संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन वित्तीय लेनदेन, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

- तीन गिरफ्तार, छह महिलाएं रेस्क्यू
- पनवेल के लॉज में चल रहा था गोरखधंधा
- मानव तस्करी निरोधक प्रकोष्ठ की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

पनवेल के नारपोली इलाके में एक लॉज में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि छह महिलाओं को इस धंधे से मुक्त कराया गया है। यह कार्रवाई अपराध शाखा के मानव तस्करी

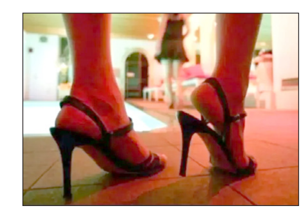

निरोधक प्रकोष्ठ (एएचटीसी) द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को की गई। वरिष्ठ निरीक्षक पृथ्वीराज घोरपड़े ने बताया कि पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक के जरिए रैकेट का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार आरोपियों में लॉज का मैनेजर और दो कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इस रैकेट से जुड़ा चौथा आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

कानूनी कार्रवाई शुरू

इस मामले में पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन में अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम (PITA) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 370(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस को इस रैकेट से जुड़े और भी खुलासों की उम्मीद है।

दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग

डीबीडी संवाददाता | रायगढ़

छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार मौजूद रहे। इस मौके पर सीएम फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज के राष्ट्रीय स्मारक की मांग करते हुए भावुक अपील की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि, 'अरब सागर में प्रस्तावित छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक का मामला कोर्ट में है। राज्य

सरकार इस मामले में पूरी कानूनी लड़ाई लड़ेगी और स्मारक के निर्माण को हर हाल में पूरा करेगी।' सीएम फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की पुरजोर मांग की। उन्होंने कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज केवल महाराष्ट्र के नहीं, पूरे भारत के गौरव हैं, इसलिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उनका स्मारक बनना चाहिए।'

शिवाजी का अपमान करने वालों पर बनेगा कानून

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार विशेष कानून बनाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा केवल एक भावना का नहीं, बल्कि इतिहास और संस्कृति की रक्षा का है। सीएम ने कहा कि यह मांग सबसे पहले भाजपा नेता और छत्रपति शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले ने उठाई थी, और अब राज्य सरकार इसे पूरी ताकत से आगे बढ़ाएगी।

शिवाजी महाराज हमारे आराध्य : फडणवीस

मुख्यमंत्री ने कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देवता हैं। उन्होंने ही हमें आज़ादी, आत्मसम्मान और शासन का हक दिया। उन्होंने 18 जातियों को एकत्र कर हिंदवी स्वराज्य की नींव रखी। आज हम जो कुछ भी हैं, वो उन्हीं की वजह से हैं।'

अवैध छात्रावास में बच्चों के यौन शोषण का खुलासा

29 मासूमों को कराया गया मुक्त

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के खडावली में एक अवैध छात्रावास में बच्चों के साथ यौन शोषण और मारपीट का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पसायदान विकास संस्था नामक एक अनधिकृत आवासीय संस्था से 20 लड़कियों और 9 लड़कों को जिला प्रशासन और पुलिस ने मिलकर शुक्रवार को मुक्त कराया। यह कार्रवाई 'चाइल्ड हेल्पलाइन' को मिली गंभीर शिकायत के बाद की गई।

चाइल्ड हेल्पलाइन पर आई थी शिकायत

बृहस्पतिवार को चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना मिली थी कि संस्था में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और यौन शोषण हो रहा है। इस पर जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय और पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को संस्था पर छापा मारा।

पॉक्सो और जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज

घटना के बाद संस्था के संचालक, उसके दो पारिवारिक सदस्यों और दो अन्य के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है। छुटाए गए कई बच्चे जिला परिषद स्कूल खडावली में पढ़ते हैं। आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग विशेष व्यवस्था कर रहा है ताकि इन बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो।

कलेक्टर और अधिकारियों का बयान

ठाणे के जिलाधिकारी अशोक शिंगारे ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी संतोष भोसले ने लोगों से अपील की कि ऐसे अवैध संस्थानों की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल प्रकरण

महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने डॉ. सुश्रुत घैसास को भेजा नोटिस, सोमवार तक मांगा स्पष्टीकरण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में इलाज न मिलने के कारण गर्भवती महिला की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आरोप है कि अस्पताल ने महिला का इलाज सिर्फ इसलिए नहीं किया क्योंकि उसका परिवार जमा राशि का भुगतान नहीं कर सका। इस मामले में अस्पताल की प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुश्रुत घैसास को गिरफ्तार किया गया है।

महिला की मौत के बाद पुणे समेत

पूरे महाराष्ट्र में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। आरोप है कि अस्पताल ने पैसे की मांग को प्राथमिकता दी, जिससे समय पर इलाज न मिलने के कारण महिला की जान चली गई।

मेडिकल काउंसिल ने मांगा जवाब मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने अस्पताल प्रशासन को नोटिस भेजा था। अस्पताल की ओर से मिली जानकारी के आधार पर परिषद ने डॉ. सुश्रुत घैसास को गुरुवार को नोटिस भेजकर सोमवार तक स्पष्टीकरण मांगा है।

मेडिकल काउंसिल के प्रशासक डॉ. विंकी रुघवानी के अनुसार, डॉक्टर का जवाब मिलने के बाद जांच समिति गठित की जाएगी।

नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

- 11.5 लाख रुपए का मेफेड्रोन बरामद

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर जिले के विरार में पुलिस ने 36 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक देसेमंड चिडालु अनिग्बो को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 11.5 लाख रुपए मूल्य का मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग बरामद हुआ है। विरार क्राइम ब्रांच यूनिट के वरिष्ठ निरीक्षक शाहराज रानावरे ने बताया कि पुलिस को आचोले इलाके में ड्रग तस्कर के आने की गोपनीय सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को मॉल के पास निगरानी रखी और आरोपी को पकड़ लिया।

46 ग्राम एमडी की बरामदगी

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 46 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया, जिसकी कीमत 11.5 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

मुंबई के रोजगार मेले में 1 हजार युवाओं को मौके पर मिली नौकरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के कांदिवली में आयोजित किए गए रोजगार मेले में भारी भीड़ उमड़ी जहां एक हजार से अधिक युवाओं को शनिवार को मौके पर ही नौकरी मिल गई। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल ने कहा कि इस साल उत्तर मुंबई के 1 लाख युवाओं को नौकरियों में स्थान दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत, कोई भी नौजवान बेरोजगार नहीं रहेगा।

मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) के भूराभाई ग्राउंड में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार मेले को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा, 'आज युवाओं में जो आत्मविश्वास और उत्साह मैंने देखा, उससे मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। यही ऊर्जा नए भारत की असली ताकत है।' उन्होंने घोषणा की कि अब हर महीने कांदिवली स्किल डेवेलपमेंट सेंटर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा और जल्द ही ठाकुर कॉम्प्लेक्स में तीसरा स्किल डेवेलपमेंट सेंटर शुरू किया जाएगा। बता दें कि इस जॉब फेयर में तीन हजार से ज्यादा युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, जहां 60 कंपनियों और 6 महामंडलों ने भाग लिया और मौके पर ही एक हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी गई। यह रोजगार मेला लगातार तीसरे साल उत्तर मुंबई में आयोजित किया गया है और हर साल इसका प्रभाव बढ़ता जा रहा है। कार्यक्रम में मौजूद एक युवा ने बताया कि वह पीयूष गोयल के स्टार्टअप महाकुंभ में दिए गए भाषण से काफी प्रेरित हुआ, जहां मंत्री ने उद्यमियों और निवेशकों से सेमीकंडक्टर्स, रोबोटिक्स और टेक जैसे हाई-टेक क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की अपील की थी। राष्ट्र सुरक्षा के मुद्दे पर पीयूष गोयल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस आतंकवाद को रोकने में नाकाम रही। पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंक का जड़ से खात्मा होगा।

शिंदे गुट के विभाग प्रमुख पर जानलेवा हमला

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

महाराष्ट्र के उल्हासनगर में शिवसेना शिंदे गुट के विभाग प्रमुख प्रमोद पांडेय पर देर रात जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे

घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले उद्धव ठाकरे गुट के कुछ कार्यकर्ता शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए थे, जिसके बाद प्रमोद पांडेय ने गुस्से में आरोप लगाया कि ठाकरे गुट के कार्यकर्ताओं ने ही उन पर हमला किया। आरोप है कि गौतम शरणदौड़, एक ठाकरे गुट के कार्यकर्ता, ने पांडेय को शहाड फाटक इलाके में बुलाकर धारदार हथियार और लकड़ी के डंडे से बेरहमी से पीटा।

पुलिस जांच और आरोपियों की तलाश

इस हमले के बाद उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की गहन जांच की जा रही है। हालांकि, हमले के सही कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

जलगांव जिला कलेक्टर को डंपर से कुचलने की धमकी

साइबर सेल में मामला दर्ज

जलगांव/मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब जिला कलेक्टर आयुष प्रसाद को जान से मारने की धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। मेल में उन्हें डंपर से कुचलकर मारने की धमकी दी गई, साथ ही जिले में दंगे करवाने की बात भी कही गई है। इस मामले में साइबर सेल में मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू हो चुकी है।

मंत्री गुलाबराव पाटिल का बयान

राज्य के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि घटना बेहद गंभीर है और पुलिस अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए जाएंगे। दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि ईमेल की भाषा को देखकर ऐसा लगता है कि मेल किसी अवयस्क या असमझ व्यक्ति द्वारा लिखा गया हो सकता है, फिर भी सुरक्षा में कोई चूक नहीं बरती जा रही है।

सीएम ऑफिस को मिला था धमकी भरा मेल

इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय को भी एक धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसमें जलगांव के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भ्रष्ट बताते हुए उनके निलंबन की मांग की गई थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस ईमेल की जानकारी जलगांव पुलिस और कलेक्टर को दी थी।

पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

जलगांव के पुलिस अधीक्षक डॉ. महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मेल एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजा गया है, और इसमें जिला कलेक्टर समेत कुछ अन्य अधिकारियों को धमकी दी गई है। अब तक तीन से चार धमकी भरे ईमेल सामने आ चुके हैं। सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल ने गहन जांच शुरू कर दी है।

साइबर सेल कर रही ट्रैकिंग

साइबर पुलिस अब ईमेल की आईपी ट्रेसिंग कर रही है, ताकि मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके। इस बीच जिला प्रशासन और पुलिस दोनों ही सतर्क हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ लोग फैला रहे हैं अफवाह : शाइना एनसी

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर हिंसक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिसके चलते भाजपा हमलावर हो गई है। शिवसेना प्रवक्ता शाइना एनसी ने इस विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि यह केवल पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया जा रहा है, ताकि वक्फ मामलों में कोई भ्रष्टाचार न हो।

वक्फ संशोधन विधेयक का बचाव

शाइना एनसी ने कहा कि यह विधेयक किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वक्फ मामलों की उचित सुनवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने उन लोगों पर आरोप लगाया जो इस मुद्दे पर अफवाहें फैला रहे हैं और उन्होंने जनता से इस कानून को ठीक से पढ़ने की अपील की।

पृथ्वीराज चव्हाण पर शाइना एनसी का हमला

इसके बाद, शाइना एनसी ने कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण पर भी निशाना साधा, जिन्होंने हाल ही में कहा था कि तहव्वुर राणा के खिलाफ पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए मुकदमा चलाया जाना चाहिए। शाइना ने कहा कि आतंकवादी सामान्य अपराधियों से अलग होते हैं और उन्हें जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए।

लाडली बहन और एसटी कर्मचारियों के वेतन पर घमासान

मंत्री सरनाईक ने अजीत पवार पर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महाराष्ट्र में लाडली बहन योजना के तहत 2100 रुपए की राशि लाभार्थियों को कब मिलेगी, इस सवाल को लेकर विपक्षी दलों ने एक बार फिर सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। इसी बीच, एमएसआरटीसी के कर्मचारियों को वेतन मिलने में देरी ने सरकार के भीतर भी नाराजगी को जन्म दिया है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कसा तंज

राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्त विभाग जानबूझकर परिवहन विभाग की वेतन से जुड़ी फाइलें रोक रहा है, जिससे 87 हजार एसटी कर्मचारियों का वेतन अटक गया। सरनाईक ने कहा कि हम अजीत से भीख नहीं मांग रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की सैलरी का हक उन्हें समय पर मिलना चाहिए।

सिर्फ 56% वेतन मिला कर्मचारियों को

9 अप्रैल को मार्च महीने का वेतन मिला, लेकिन कर्मचारियों को केवल 56 फीसदी सैलरी ही दी गई। शेष 44% राशि के लिए वित्त मंत्रालय ने मंगलवार तक का समय मांगा है। सरनाईक के अनुसार, उन्होंने 928 करोड़ रुपए की मांग की थी, लेकिन सिर्फ 272 करोड़ रुपए ही जारी किए गए।

हर महीने की 7 तारीख को सैलरी का भरोसा

माना जा रहा है कि शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हुई बैठक के बाद यह तय किया गया है कि भविष्य में एसटी कर्मचारियों को हर महीने की 7 तारीख को वेतन मिल जाएगा।

एमएसआरटीसी का वित्तीय संकट

एमएसआरटीसी फिलहाल घाटे में चल रहा है। प्रतिदिन करीब 28 करोड़ रुपये का राजस्व आता है, जिसमें से 40% विभिन्न रियायतों में खर्च हो जाता है। शेष धनराशि ईंधन और बसों के रखरखाव में चली जाती है, जिससे वेतन के लिए राशि कम पड़ जाती है।महाविकास आघाड़ी समेत विपक्षी दलों ने लाडली बहन योजना और एसटी वेतन संकट पर सरकार को घेरते हुए पारदर्शिता और वित्तीय प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं।

हत्या और डकैती के आरोपी को मुंबई क्राइम ब्रांच ने दबोचा

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 1 ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रबीउल मियाह उर्फ बाबू (34) को गिरफ्तार किया है। वह हत्या और डकैती के एक मामले में आरोपी था और लंबे समय से फरार था।

हत्या और डकैती की वारदात

मियाह और उसके अन्य साथियों ने मिथुन चक्रवर्ती, एक स्थानीय सट्टेबाज की हत्या की थी। इस मामले में कुल पांच आरोपी थे, जिनमें से तीन अभी भी फरार हैं। आरोपी के खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

गुप्त सूचना पर की गई गिरफ्तारी

पुलिस को खेरवाड़ी, बांद्रा (पूर्व) के गणेश मंदिर रोड इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति छिपकर रह रहे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने इलाके में निगरानी शुरू की और मुखबिर की सहायता से आरोपी की पहचान की। पूछताछ के दौरान रबीउल मियाह ने 14 अक्टूबर 2024 को पश्चिम बंगाल के बंसिहारी थाना क्षेत्र में हुई एक हत्या और डकैती में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

कई महीने बाद गिरफ्तारी

घटना के बाद रबीउल मियाह फरार था और लोनावला में एक निर्माण स्थल पर मजदूर के रूप में काम कर रहा था। फिर वह 1 जनवरी 2025 को मुंबई के खेरवाड़ी क्षेत्र में आया, जहां पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की। मियाह की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस को सूचित किया गया और वहां से एक टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मुंबई भेजी जा चुकी है।

सफल ऑपरेशन

इस ऑपरेशन में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कंबाले, पुलिस इंस्पेक्टर रविंद्र मंजारे, एपीआई जितेंद्र शेडगे, कांस्टेबल विनोद भादले, दीपक खेड़कर और धर्मेंद्र जुवतकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों को दो महीने से नहीं मिला वेतन

800 करोड़ रुपए के फंड में देरी, कर्मचारियों ने हड़ताल की दी धमकी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत काम करने वाले राज्य के 34,000 कर्मचारियों को पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार के हिस्से से 800 करोड़ रुपए की राशि में देरी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। एनएचएम के तहत डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, काउंसलर और अन्य चिकित्सा पेशेवर काम कर रहे हैं। वेतन न मिलने से कर्मचारियों में गहरा असंतोष है और उन्होंने हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। कर्मचारी सवाल उठा रहे हैं कि केंद्र से धनराशि समय पर क्यों नहीं मिल रही, जबकि राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर एक ही पार्टी की सरकार है।

योजना पर असर डालने की आशंका

NHM नई संविदा नीति 2025

एनएचएम के तहत नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं जैसे टीकाकरण, मातृ-स्वास्थ्य, और पोषण सेवाएं दी जाती हैं, लेकिन कर्मचारियों को वेतन न मिलने के कारण इन सेवाओं पर संकट आ सकता है। कर्मचारियों ने राज्य सरकार से तत्काल वेतन का भुगतान करने की मांग की है।

कर्मचारियों का कहना है कि केंद्र से धन न मिलने के कारण न केवल वेतन, बल्कि एनएचएम की योजनाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अगर यह स्थिति बनी रही तो स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक असर हो सकता है।

एमएलए कबड्डी कप टूर्नामेंट में दो गुटों के बीच मारपीट

एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में आयोजित 'आमदार कप 2025' कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान अंपायर के फैसले को लेकर दो टीमों के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से भिड़ गए, और पवेलियन में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान कई खिलाड़ियों ने कुर्सियों से एक दूसरे को पीटा।

मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। टूर्नामेंट के दौरान इस घटना ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया और इस पर आयोजकों तथा पुलिस प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है।

बिना लाइसेंस वाली पालतू जानवरों की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि राज्य भर में बिना लाइसेंस के पालतू जानवर बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इससे पहले 2018 में भी इस मुद्दे को उठाया गया था, लेकिन उस समय केवल दक्षिण मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट क्षेत्र की दुकानों के खिलाफ ही आदेश जारी किया गया था। अब एक जनहित याचिका में राज्य भर के लिए आदेश जारी करने की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने मंजूरी दे दी।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

याचिकाकर्ता शिवराज पाटने ने अपनी याचिका में यह दावा किया था कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 2018 के तहत पालतू जानवरों की दुकानों को संबंधित राज्य पशु कल्याण बोर्ड (एसएडब्ल्यूबी) से पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। हालांकि, राज्य भर में कई दुकानें इस नियम का उल्लंघन करते हुए चल रही हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि 2018 के आदेश के बाद भी, केवल दक्षिण मुंबई के कुछ इलाकों में ही कार्रवाई की गई और अन्य स्थानों पर शिकायतें पाई गईं, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अदालत ने इस मामले में मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ द्वारा राज्य सरकार से इस संबंध में जवाब मांगा और 2018 के नियमों का पालन करने के लिए कार्रवाई की दिशा में आदेश दिए।

पुनर्जीवित होंगे सड़क किनारे लगे पेड़

'वृक्ष कायाकल्प अभियान 2.0' से शहर में पेड़ों का संरक्षण

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

मुंबई नगर निगम के उद्यान विभाग ने 15 से 30 अप्रैल तक 'वृक्ष कायाकल्प अभियान 2.0' की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य शहर में सड़क किनारे लगे पेड़ों के स्वास्थ्य को बनाए रखना और उन्हें पुनर्जीवित करना है। अभियान के तहत, पेड़ों के तने के आसपास लगी कीलें, विज्ञापन पोस्टर, तार और कंक्रीट हटाए जाएंगे, ताकि पेड़ों को बेहतर तरीके से बढ़ने का मौका मिले।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान का क्रियान्वयन

यह अभियान नगर निगम के प्रत्येक विभाग कार्यालय की सीमा के भीतर लागू किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पहले ही बड़ी संख्या में पेड़ लगाए हैं और भविष्य में और अधिक पेड़ लगाने की योजना बनाई है। अभियान के दौरान, उद्यान विभाग के कर्मचारी और अन्य टीमें सड़क किनारे लगे पेड़ों पर योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगी।

जनभागीदारी की अपील

इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम ने सभी नागरिकों, पर्यावरणविदों, गैर सरकारी संगठनों और छात्रों से सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। पार्क अधीक्षक जितेन्द्र परदेशी ने कहा कि यह अभियान सिर्फ एक स्वच्छता अभियान नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य पेड़ों को पुनर्जीवित करने के लिए जनभागीदारी से काम करना है।

पश्चिम रेलवे

रेलवे भूमि की सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने का प्रस्ताव

वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण) एमएमसीटी, मुंबई सेंट्रल मुंबई -400008, **निविदा सूचना संख्याः बीसीटी/25-26/12, दिनांकः 08.04.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य और स्थानः** चर्चगेट विरार - बाहरी लोगों/झुग्गीवासियों द्वारा कचरा फेंकने से रेलवे भूमि की सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने का प्रस्ताव। **कार्य की अनुमानित लागतः** 46,66,702.44, **ईएमडीः** 93,300/-, **जमा करने की तिथि और समयः** 02.05.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समयः** 02.05.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएँ **www.ireps.gov.in**

0030

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

मुंबई मंडल

ओएचई बांड की आपूर्ति और निर्माण

कार्य का विवरण :- मुंबई मंडल के कल्याण और लोनावाला जिलों में विभिन्न टीटीआर, टीएसआर, टीआरआर और टीबीआर कार्यों के संबंध में ओएचई बांड की आपूर्ति और निर्माण।, **अनुमानित लागत** : रु. 3449807.36/-, **ईएमडी** : रु. 69000.00/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क** : रु. 0.00/-, **समापन अवधी** : 12 महिने, ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 13.05.2025 को 11:00 बजे है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा की जानकारी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, कल्याण के सुचना पट पर उपलब्ध है।

खुली ई-निविदा संख्या :

केवायएन-एलडी-585-डब्लु-745-कांट

दि. 09.04.2025 — **व.मं.वि.इं. (क.वि.) मध्य रेल, कल्याण**

SUN 24

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करें

पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति का अनुबंध

जगजीवन राम अस्पताल (JRH), मुंबई सेंट्रल, मुंबई, पश्चिम रेलवे, **एक वर्ष के लिए JRH में "पैरामेडिकल स्टाफ"** की नियुक्ति के अनुबंध के लिए इच्छुक पक्षों से GeM पोर्टल पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। निविदा और उसके दस्तावेजों का विवरण **GeM गवर्नमेंट ई मार्केट प्लेस** पर उपलब्ध है। -

इच्छुक पक्ष कृपया वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। **निविदा सूचना संख्याः GEM/2025/B/6118741, दिनांकः 11.04.2025। कार्य का नामः एक वर्ष के लिए जगजीवन राम अस्पताल में "पैरामेडिकल स्टाफ" की नियुक्ति का अनुबंध। कार्य की अनुमानित लागतः** 142488231.65 (सभी शामिल)। **ईएमडीः** 862441/-। **पूरा होने की अवधिः** 12 महीने। **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 02.05.2025, 10:00:00 बजे तक। **आवेदन खोलने की तिथि और समयः** 02.05.2025 को 10:30:00 बजे। **नोटः** कृपया GeM साइट (सरकारी ईमार्केट प्लेस) पर जाएँ। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

0041

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मुंबई सेंट्रल डिवीजन के "ए1, ए और बी" श्रेणी के स्टेशनों पर चाय की दुकानों का प्रावधान

मुंबई सेंट्रल डिवीजन में **अप्रैल 2025** के महीने के लिए **"ए1, ए और बी"** श्रेणी के स्टेशनों पर चाय की दुकानों के लिए ई-नीलामी आयोजित की जाएगी।

नीलामी सूची क्रमांकः BCT-CTG-25-20 — **ई-नीलामी की तिथिः 22.04.2025**

क्र. सं.	लॉट क्रमांक	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	Catg-BCT-MMCT-SMU-4-22-1	मुंबई सेंट्रल	A1	PF क्रमांक 1/2
AA/2	Catg-BCT-BL-SMU-97-24-1	वलसाड	A	PF क्रमांक 1
AA/3	Catg--BCT-BL-SMU-138-24-1	वलसाड	A	PF क्रमांक 2/3

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान। क्षेत्रफल **(वर्ग फीट)**: 60 वर्ग फीट। **ई-नीलामी का समयः** 12:00

नीलामी सूची क्रमांकः BCT-CTG-25-21 — **ई-नीलामी की तिथिः 23.04.2025**

क्र. सं.	लॉट क्रमांक	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	Catg-BCT-AN-SMU-160-25-1	आनंद	B	PF क्रमांक 2
AA/2	Catg-BCT-AN-SMU-161-25-1	आनंद	B	PF क्रमांक 2

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान। क्षेत्रफल **(वर्ग फीट)**: 60 वर्ग फीट। **ई-नीलामी का समयः** 12:00

नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।

0034

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की। हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडली को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इस बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राणा आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों व पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए की तहव्वुर राणा से कड़ी पूछताछ के बाद भारतीय एजेंसियां मुंबई हमले में इस्लामाबाद की भूमिका, पाक सत्ता प्रतिष्ठानों की करतूतों,आईएसआई के नेटवर्क व आतंकी संगठनों को दी जाने वाली आर्थिक मदद की हकीकत देश-दुनिया के सामने ला सकेंगी।

शख्सियत | ऋतु करिधल

रॉकेट वुमन ऑफ इंडिया

ऋतु करिधल भारत की एक प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की ओर से चंद्रयान-2 मिशन में उनकी निर्णायक भूमिका के लिए जाना जाता है। उनका जन्म 13 अप्रैल 1975 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ था। विज्ञान के प्रति उनका रुझान बचपन से ही था, और उन्होंने ग्रह-नक्षत्रों और अंतरिक्ष में होने वाली गतिविधियों को लेकर गहरी जिज्ञासा विकसित की। ऋतु ने लखनऊ विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की और बाद में भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया।

करिधाल का जन्म लखनऊ उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह एक मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी, जिसने शिक्षा पर बहुत ज़ोर दिया। उन्होंने लखनऊ के सेंट अंजनी पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की। संसाधनों की कमी और कोचिंग संस्थानों और ट्यूशनों की अनुपलब्धता ने उन्हें सफल होने के लिए केवल अपने आत्म प्रेरणा पर निर्भर रहने के लिए छोड़ दिया। रात के आसमान को घंटों निहारते और बाहरी अंतरिक्ष के बारे में सोचते हुए ,वह चंद्रमा के बारे में सोचती थी कि यह अपना आकार और माप कैसे बदलता है; तारों का अध्ययन करती थी और जानना चाहती थी कि अंधेरे अंतरिक्ष के पीछे क्या है। अपनी किशोरावस्था में, उन्होंने अंतरिक्ष से संबंधित किसी भी गतिविधि के बारे में समाचार पत्रों की कटिंग एकत्र करना शुरू कर दिया और इसरो और नासा की गतिविधियों पर नज़र रखी। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से भौतिकी में एम.एस.सी. की पढ़ाई पूरी की और भौतिकी विभाग में डॉक्टरेट कोर्स में दाखिला लिया। वह छह महीने तक लखनऊ विश्वविद्यालय में रिसर्च स्कॉलर रहीं । एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स करने के लिए उन्होंने आईआईएससी बैंगलोर में दाखिला लिया । उन्हें वार्षिक दीक्षांत समारोह 2019 के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट (डी.एस.सी) की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने भारत के मार्स ऑर्बिटर मिशन,जिसमें शिल्प की आगे की स्वायत्तता प्रणाली के विवरण और निष्पादन से संबंधित कार्य शामिल थे। भारत को मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला दुनिया का चौथा देश बना दिया। उसका काम शिल्प की आगे की स्वायत्तता प्रणाली की अवधारणा बनाना और उसे क्रियान्वित करना था, जो अंतरिक्ष में उपग्रह के कार्यों को स्वतंत्र रूप से संचालित करता था और खराबी का उचित तरीके से जवाब देता था। उजब यूनाइटेड किंगडम ने 2021 में जी7 की अध्यक्षता संभाली, तो करिधल को देश की महिला और समानता मंत्री लिज़ ट्रस ने सारा सैंड्स की अध्यक्षता में नवगठित लैंगिक समानता सलाहकार परिषद (जीईएसी) में नियुक्त किया। कारिधल को उनकी मातृ संस्था लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था।

प्रमुख मान्यता

कारिधल को 24 जनवरी 2024 को यूपी दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यूपी गौरव सम्मान पुरस्कार मिला ।
करिधाल को 2007 में भारत के राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से इसरो युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला ।
कारिधल को उनकी मातृ संस्था विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। इसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदान किया।

राष्ट्रीय पुनरुत्थान की प्रेरणा देने वाला पर्व- बैसाखी

सुभाष आनन्द

भारतवर्ष मेलों और त्यौहारों का देश है। इनमें से कुछ का सम्बन्ध धर्म के साथ है तो कुछ का इतिहास के साथ और कुछ का सम्बन्ध मौसम के साथ है। पंजाब में उमंग और उत्साह के साथ मनाया जाने वाला जोशीला पर्व वैसाखी मूलतः एक मौसमी पर्व है। किसानों द्वारा अपने खून पसीने से तैयार की गई फसल के घर आने की खुशी से उत्साह और उमंग से यह पर्व मनाया जाता है। यह त्यौहार वीर और स्वाभिमानी पंजाबियों की भावना का भी प्रतीक है। सिखों के दसवें गुरू गोविन्द सिंह जी ने इसी दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी जिसके कारण इस त्यौहार की महानता और गरिमा और बढ़ जाती है। यह त्यौहार भारत के स्वतन्त्रता संग्राम से भी जुड़ा हुआ है। इसी दिन 1919 में जालियांवाला बाग में आजादी के दीवानों पर अंग्रेजी सरकार ने प्रहार किया था। गुरु गोविन्द सिंह जी के समय में देश की सामाजिक और राजनीतिक दशा इतनी भयानक थी कि लोगों का मनोबल पूर्ण रूप से गिर चुका था। वह विदेशी लुटेरों से अपनी बहू-बेटियों की इज्जत की रक्षा करने तक में समर्थ नहीं थे। हिन्दू बालाएं और बहू-बेटियां टके-टके के भाव से मण्डी में बेची-खरीदी जाती थी। हिन्दू बहू, बेटियों की इज्जत सरेआम लूटी जाती थी। गुरु जी से यह दशा देखी न गई और उन्होंने निश्चय किया कि समाज में परिवर्तन लाया जाए। अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए गुरुजी ने बैसाखी के दिन देश-विदेश में बसे अपने अनुयाइयों को आनन्दपुर साहिब पहुंचने का आदेश दिया। इतिहासकारों के अनुसार वहां 80 हजार से भी ज्यादा लोग पहुंचे। कीर्तन शुरू हुआ। कीर्तन के समाप्त होने पर गुरु जी ने नंगी तलवार लिए पूरे जोश से लोगों को सम्बोधित किया। प्यारी साध-संगत इस समय मानवता को बचाने के लिए सभी शांतिपूर्ण रास्ते बंद हो चुके है। मानवता को बचाने के लिए मुझे कुछ कुर्बानियों की जरुरत है। जिससे मनुष्यता की रक्षा हो सके और मानव जीवन सुरक्षित रह सके। ज्यों ही गुरु जी ने शीश मांगे, त्यों ही लाहौर निवासी भाई दयाराम, जो जाति के क्षत्रिय थे, मंच पर शीश देने आए। गुरु जी उसे एक तंबू में ले गए कुछ समय पश्चात रक्त रंजित तलवार लेकर मंच पर लौट आए। एक अन्य शीश की मांग की, इस बार उनकी मांग पर दिल्ली के भाई धरमदास जाट आए। गुरु जी की मांग पर तीन अन्य उड़ीसा के हिम्मतराय, द्वारिका के भाई मोहकम चन्द्र और विदर के भाई साहिबचन्द्र को गुरूजी तंबू में ले गए। थोड़ी देर बाद गुरु जी इन पांचों को लेकर मंच पर पधारे। पंडाल में बैठे लोग इन लोगों को जिंदा देखकर हैरान हो गए। वे पांचों एक समान पोशाक धारण किए हुए थे। गुरुजी ने बांटे (लोहपात्र) में बताशों से अमृत तैयार करके पांचों को पिलाया। जाति भेद मिटाकर उनको पांच प्यारों की संज्ञा दी। साथ ही उनको पांच ककार- केश-कंघा-कड़ा-कच्छा-कृपाण धारण करने का आदेश दिया। उन्होंने सदैव नशे से दूर रहने, केश न काटने, हलाल किया मांस न खाने, परस्त्रीगमन से बचने, मेहनत की कमाई से रोटी कमाने, मिल बांटकर खाने, सत्य-विनम्र जीवन व्यतीत करने तथा सामाजिक कार्यो के लिए अपनी कमाई का दसवां भाग देने की प्रेरणा दी। इतिहास गवाह है कि गुरु जी की इन शिक्षाओं पर चलकर पंजाबियों ने विशाल मुगल एवं ब्रिटिश साम्राज्यों के विरुद्ध अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध वीरता से जौहर दिखाए। यहां तक कि अपने प्राणों की आहूति दे दी लेकिन विकट परिस्थितियों में भी गुरुजी के आदेशों को नहीं छोड़ा। लेकिन आजकल कुछ नवयुवक गुरु गोविन्द सिंह जी के मार्ग पर चलने का दिखावा तो करते है, लेकिन नशे की लत में दल-दल तक फंसे हुए है। दाढ़ी केश-पगड़ी धारण करने मात्र से कोई सिख नहीं बन सकता। असली सिख वही है जो गुरु जी के दिखाए मार्ग पर चलता है। खुद कष्ट सहकर मानव समाज को सुख देता है। 13 अप्रैल 1875 को विश्व प्रसिद्ध संत स्वामी दयानन्द सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की थी और समाज में क्रांति लाई थी। इसी दिन लाहौर पर विजय प्राप्त कर शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह जी ने पंजाब में सिख राज्य की नींव रखी थी। 13 अप्रैल 1749 को जनरल जस्सा सिंह ने वैसाखी के दिन खालसा दल का गठन किया था और नया नारा दिया था 'वाहे गुरु जी का खालसा- वाहे गुरु जी की फतेह' और 13 अप्रैल 1919 की बैसाखी का दिन आज भी चीख-चीखकर अंग्रेजों के जुल्मों की दास्तान बयान करता है। इसी दिन जालिया वाला बाग में अंग्रेजों ने क्रूर नरसंहार किया था। वैसाखी पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि क्योंकि इस दिन संवत की भी शुरुआत होती है। कहा जाता है कि बैसाखी पर दिन और रात बराबर होते है। माना जाता है यदि बैसाखी के दिन बरसात होती है तो अगले वर्ष अच्छी फसल का शुभ संकेत होता है। वैसाखी को सूर्य वर्ष का प्रथम दिन माना जाता है, क्योंकि इसी दिन सूर्य अपनी पहली राशि मेष में प्रविष्ट होता है और इसीलिए इस दिन को मेष संक्राति भी कहा जाता है। कौरवों के हाथ सब कुछ हारने के पश्चात पांडवों से अपने अज्ञातवास में बैसाखी के दिन ही द्रोपदी ने स्नान की इच्छा प्रगट की थी। द्रोपदी की इच्छा पूर्ति के लिए पिजौर में पांडवों ने एक धारा मंडल का निर्माण किया था। 13 अप्रैल 1763 को एक पंडित ने पंथ के सामने फरियाद की कि कसूर का नवाब उस्मान खां मेरी बेटी को जबरन उठा ले गया है। हरिसिंह ने अपनी खड्ग उठाई और नवाब पर हमला बोल दिया। इस प्रकार वैसाखी जहां खुशियों का त्यौहार है वहीं धार्मिक और स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों से भी जुड़ा हुआ है।

जीवन मंत्र

गिरकर संभलने वाले ही असली विजेता होते हैं

> जीवन में गिरना कोई नई बात नहीं है हर व्यक्ति कभी न कभी किसी न किसी मोड़ पर असफल होता है। लेकिन फर्क वहाँ पड़ता है जब कोई गिरकर हार मान लेता है, और कोई गिरकर फिर से खड़ा हो जाता है, खुद को सुधारता है और फिर आगे बढ़ता है।

जीवन की राह सीधी नहीं होती; यह उतार-चढ़ाव, जीत-हार और आशा-निराशा से भरी होती है। जब कोई व्यक्ति गिरता है - चाहे वह असफलता हो,आलोचना हो, या कोई व्यक्तिगत नुकसान तो उस क्षण पर हार मान लेना आसान होता है। लेकिन वही व्यक्ति जो उस गिरावट से सीखता है, अपने घावों को ताकत में बदलता है और दोबारा उठकर आगे बढ़ता है, वही असली विजेता कहलाता है। यह जीत केवल दुनिया को दिखाने के लिए नहीं होती, बल्कि खुद से की गई सबसे बड़ी जीत होती है। इस विचार की झलक हमें हर क्षेत्र में मिलती है खेल, कला, साहित्य, और यहां तक कि फिल्मों और बच्चों की कहानियों में भी। जब हम किसी फिल्मी किरदार को उसके संघर्षों के बाद सफलता पाते देखते हैं, या कोई खिलाड़ी मैदान में बार-बार हार के बावजूद एक दिन ट्रॉफी उठाता है, तब हमें यही संदेश मिलता है: हार स्थायी नहीं होती, यदि हिम्मत बाकी है। यही चीज़ बच्चों की दुनिया में भी झलकती है जब कोई बच्चा बार-बार गिरते हुए भी साइकिल चलाना सीखता है, तब वो केवल एक खेल नहीं, जीवन की सबसे अहम सीख ले रहा होता है। जो लोग बार-बार हार के बावजूद फिर उठ खड़े होते हैं, वे सिर्फ खुद को नहीं, बल्कि समाज को भी यह संदेश देते हैं कि संघर्ष का अंत नहीं होता, जब तक हम कोशिश करना न छोड़ें। गिरना मानवता का हिस्सा है, लेकिन उठना और फिर चलना यही इंसान की असली पहचान है। इसलिए, अगली बार जब आप जीवन की किसी चुनौती से हारें, तो याद रखिए आपकी अगली चाल ही आपको असली विजेता बना सकती है।गिरना हमें सिखाता है कि हम कहाँ चूके, और संभलना हमें यह अवसर देता है कि हम दोबारा कोशिश करें, इस बार और समझदारी से। यह प्रक्रिया ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। असली जीत केवल पुरस्कार या पहचान पाना नहीं है, बल्कि मुश्किलों के बाद भी डटे रहना और स्वयं को बेहतर बनाना ही सच्ची विजेता की पहचान है। इसलिए, जब भी जीवन आपको गिरा दे, तो याद रखिए संभलने का हौसला रखने वाला ही असली विजेता कहलाता है।

जीवन ऊर्जा

बाबू गुलाबराय : निधन 13 अप्रैल 1963 — देहावसान

हम जो सोचते हैं, वही हम होते हैं

> बाबू गुलाबराय (17 जनवरी 1888 -13 अप्रैल 1963) हिंदी साहित्य के प्रमुख निबंधकार, आलोचक और व्यंग्यकार थे। वे आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं। उन्होंने न केवल हिंदी निबंध को एक विद्वतापूर्ण शैली दी, बल्कि व्यंग्य और आलोचना में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनका लेखन शुद्धता, तार्किकता और गंभीरता से परिपूर्ण होता था, और वे सरल भाषा में गूढ़ विषयों को प्रस्तुत करने में निपुण थे।

सकारात्मक सोच हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में सहायता करती है और हमें यह विश्वास दिलाती है कि हम किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं। इसके विपरीत, यदि हम नकारात्मक सोच को अपनाते हैं, तो डर, संदेह और असुरक्षा जैसी भावनाएँ हमारे जीवन पर हावी हो जाती हैं, जिससे हम अपनी क्षमताओं पर विश्वास खो बैठते हैं और जीवन में पीछे रह जाते हैं। इस तरह हमारे विचार ही हमारे कर्मों और निर्णयों को आकार देते हैं, और अंततः वे ही हमारी पहचान बन जाते हैं। विचार हमारे व्यवहार का मूल होते हैं। हम जो सोचते हैं, वही बोलते हैं, और जो बोलते हैं, वही करते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है, जो हमारे पूरे व्यक्तित्व और जीवन शैली को प्रभावित करती है। हमारे विचारों का स्तर यह तय करता है कि हम किसी स्थिति में किस तरह प्रतिक्रिया देंगे, हम समस्याओं को कैसे हल करेंगे, और हम अपने आसपास के लोगों के साथ किस प्रकार व्यवहार करेंगे। यदि हमारे विचार उच्च, स्पष्ट और प्रेरणादायक होंगे, तो हमारी ऊर्जा और दृष्टिकोण भी उसी अनुरूप होंगे। यही कारण है कि इतिहास में जितने भी सफल व्यक्ति हुए हैं, वे सभी अपने विचारों को लेकर सजग और सचेत रहे हैं। उन्होंने अपने मन को अनुशासित करके अपने विचारों को एक सकारात्मक और रचनात्मक दिशा में प्रवाहित किया, जिसके फलस्वरूप उन्होंने अपने जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। इस प्रकार, यह कथन हमें यह सिखाता है कि अपने विचारों को बदलकर हम न केवल खुद को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि अपने पूरे जीवन की दिशा भी बदल सकते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हरि व्यापक सर्वत्र समाना प्रेम से प्रकट होई में जाना

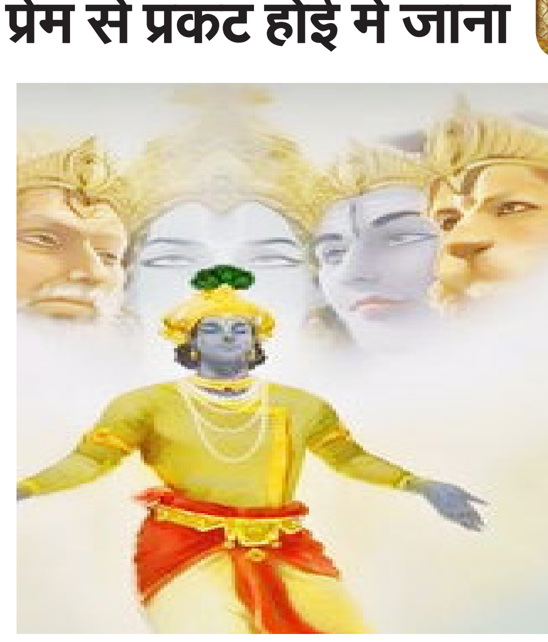

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

ईश्वर का कण-कण में वास है लेकिन वे प्रेम से ही मिलते हैं। सर्वत्र व्याप्त ईश्वर का विश्वास सनातन धर्म में युगों से परिलक्षित है। ईश्वर का न कोई विशेष रूप है, न रंग है, न संग है। भगवान इन माया रूपों में हर स्थान पर उपस्थित हैं। कोई चाहे या न चाहे, ईश्वर सबके लिए उपस्थित हैं, उपलब्ध हैं, चैतन्य हैं, समस्त लोक प्रभु के अधीन हैं। उनकी इच्छा मात्र से सृष्टि की रचना और संहार होता है,अर्थात माया के भिन्न-भिन्न रूप भगवान के हेतुक हैं, इसलिए वे लोकों में, सब ओर, अंदर और बाहर विद्यमान हैं। गुण-दोष रहित, अनंत के स्वामी, कल्याण के लिए प्रकट भी होते हैं। लोक उद्धार के उद्देश्यवश निराकार से साकार में प्रविष्ट होते हैं। कण-कण में विराजमान होने से अंतर्यामी हैं, सर्वशक्तिमान और सर्वसुलभ हैं। कण स्वयं में परमाणु का अवलंबन है। भगवान में ही समस्त सृष्टि अंतर्निहित है, सब कुछ उन्हीं से है और सभी कुछ उन्हीं में है। यह अद्भुत लीला भगवान ही कर सकते हैं, लेकिन उन्हीं से उत्पन्न कतिपय जीव उनका अस्तित्व नहीं मानते, क्योंकि वे अज्ञानी हैं। अज्ञान भी ज्ञान का अभाव मात्र है, इसमें विरोधाभास का स्थान नहीं। गुण है तो अवगुण भी है, प्रकाश है तभी अंधकार है, ऊष्मा है तभी शीतलता की अनुभूति है। इसलिए जो प्राणी ईश्वर को नहीं मानते, वे नासमझ बच्चे की तरह हैं। वह भक्त, जो अपने आराध्य को समर्पित भाव से ग्रहण करें, उसके लिए यह समझ बहुत सरल है। इसलिए भक्त ने पत्थर में भी भगवान के दर्शन किए। कण-कण में विराजमान ईशत्व को पहचानने वाला भक्त सर्वत्र भावमय प्रज्ञ स्वरूप से बंधा रहता है। यह प्रकृति ईश तत्व से निर्मित है, इसलिए प्रकृति के भीतर-बाहर भगवान की उपस्थिति मायातीत है। माया उनकी शक्ति का आश्रय है, सृष्टि की रचना में भगवत्तत्व आधार है, जैसे आत्मा का आधार परमात्मा है। यह मायामय भौतिकी वस्तुतः आध्यात्मिक ऊर्जा से प्रवाहित है।

अपने विचार

जिस कानून की बात हो रही है, वह केंद्र सरकार ने बनाया है, राज्य सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं। हमने उस कानून का समर्थन नहीं किया और यह बंगाल में लागू नहीं होगा।

-ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री,पश्चिम बंगाल

हिटलर अपने समय पर एक फौज रखता था। अपने कार्यकर्ताओं को पुलिस और फौज की वर्दी पहना देता था। फिर अपने विरोधी लोगों को पिटवाता था। उस सेना का नाम था स्ट्रॉम टूपर्स। ये भाजपा वालों की टूपर्स है।

-अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

हमें 100 अटल कैंटीन खोलनी हैं, ताकि दिल्ली में कोई भी भूखा न रहे। हम झुग्गी-झोपड़ियों और निर्माण स्थलों के पास ये कैंटीन खोलने की योजना बना रहे हैं, जहां भोजन उपलब्ध कराने के लिए ऐसी स्वचालित मशीनें लगाई गई हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

जो लोग अन्य साजिश सिद्धांतों (26/11 में आरएसएस की भागीदारी के बारे में) का प्रचार करते हैं, मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता। अब मुख्य साजिशकर्ता हमारी हिरासत में है और अब और भी चीजें सामने आएंगी।

-देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार)।

टिकट जांच में सोलापुर मंडल का शानदार प्रदर्शन

11.83 करोड़ का राजस्व अर्जित

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान टिकट जांच अभियान में असाधारण सफलता हासिल की है। मंडल ने विभिन्न गहन जांच अभियानों के माध्यम से 11.83 करोड़ से अधिक राजस्व एकत्र कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

10,987 जांच अभियान, लाखों यात्रियों पर कार्रवाई

सालभर में मंडल ने कुल 10,987 टिकट जांच अभियान चलाए, जिनमें 850 विशेष गहन जांच, 64 स्पॉट चेक, 36 एम्बुश, 36 क्रॉस-कंट्री और 36 फोर्ट्रेस चेक शामिल थे। इन अभियानों के दौरान कुल 2,51,030 मामलों से 11.82 करोड़ की वसूली की गई। इसमें बिना टिकट यात्रा के 1,22,131 मामले (6.61 करोड़), अनियमित यात्रा के 1,05,577 मामले (4.75 करोड़), बिना बुक सामान के 22,161 मामले (42.05 लाख), कूड़ा-कचरा फैलाने के 1,003 मामले (4.21 लाख) और निषिद्ध क्षेत्रों में धूम्रपान के 158 मामले (31,600) शामिल हैं।

शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं ने बढ़ाया गौरव

इस उपलब्धि में टिकट जांच स्टाफ की मेहनत अहम रही, जिन्होंने सतत प्रयासों से उल्लेखनीय परिणाम दिए। शीर्ष तीन प्रदर्शनकर्ताओं में मोबिन शेख ने 4,860 मामलों से 27.60 लाख की वसूली कर पहला स्थान हासिल किया, जबकि संजय ए. उबाले ने 2,684 मामलों से 21.48 लाख और एस. जे. शिंदे ने 3,858 मामलों से 20.65 लाख की वसूली करते हुए क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर अपना स्थान सुनिश्चित किया।

कर्तव्य से परे सेवा की मिसाल

टिकट निरीक्षकों ने न सिर्फ राजस्व वसूली में बल्कि सुरक्षा और सेवा के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए। लेखराम मीना को 12115 सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने पर महाप्रबंधक सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जीवन इंगले और राहुल एस. कांबले ने अलग-अलग ट्रेनों में हॉट एक्सल की समय रहते पहचान कर संभावित हादसों को टाल दिया, जबकि संतोष एन. प्रसाद ने 12627 कर्नाटक एक्सप्रेस में दो नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित बचाकर मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

पेड़ कटाई के विरोध में पर्यावरण संगठनों का प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे नगर निगम प्रशासन ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए पेड़ों की कटाई की अनुमति दे दी है, जिससे नागरिकों और पर्यावरण संगठनों में चिंता का माहौल है। ठाणे-बोरीवली मेट्रो, घोड़बंदर चौड़ीकरण और साकेत-आनंदनगर एलिवेटेड रोड के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों को काटा जा रहा है, जिसका विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

पर्यावरण संगठनों का विरोध प्रदर्शन

शनिवार को मानपाड़ा क्षेत्र में पर्यावरण संगठनों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इन संगठनों ने पेड़ों की कटाई को रोकने और हरित क्षेत्र को बचाने की मांग की। म्यूज़ फाउंडेशन, फ्राइडेज़ फॉर फ्यूचर, फ्रेंड्स ऑफ लद्दाख और फ्रेंड्स ऑफ नेचर जैसे संगठन इस विरोध में शामिल हुए। उन्होंने नगर निगम की पेड़ कटाई नीति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मुल्लाबाग क्षेत्र के निवासियों ने पेड़ कटाई के विरोध में आवाज उठाई और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

पर्यावरणविदों की प्रस्तावित मांगें

पर्यावरण संगठनों ने यह भी मांग की कि वृक्ष प्राधिकरण समिति की जानकारी सार्वजनिक की जाए, जिसमें वृक्षों की कटाई, छंटाई, स्थानांतरण, और प्रतिपूरक वृक्षारोपण की पूरी जानकारी शामिल हो। इसके साथ ही, नागरिक शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर शुरू करने और उसे सार्वजनिक रूप से घोषित करने की भी मांग की गई।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ठाणे जिले के रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य के कुल 132 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके जरिए देशभर के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इस योजना की घोषणा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

पुनर्विकास के लिए धनराशि:

टिटवाला स्टेशन: 25 करोड़
शहाड़ स्टेशन: 8.4 करोड़
दिवा स्टेशन: 45 करोड़
बेलापुर स्टेशन: 32 करोड़

इन स्टेशनों का पुनर्विकास

इस योजना के अंतर्गत ठाणे जिले के टिटवाला, शहाड़, दिवा और बेलापुर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा, जिससे इस क्षेत्र के यात्रियों को आधुनिक और सुविधाजनक सेवाओं का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, कल्याण डोंबिवली क्षेत्र के डोंबिवली स्टेशन को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

इस योजना के तहत यात्रियों को मिलने वाली प्रमुख सुविधाएं:

इस योजना से यात्रियों को स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और डिजिटल सुविधाएं जैसी आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा तथा शहर के अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित की जाएगी।

निवेशकों की समस्याओं पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दिया समाधान का भरोसा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले के उद्योगपतियों और निवेशकों को प्रोत्साहित करने व उनकी समस्याओं के समाधान हेतु एमआईडीसी आनंद नगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने की। बैठक में अंबरनाथ, मुरबाड, पुंडाशे शाहपुर और आसनगांव जैसे प्रमुख औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों समेत कई उद्योगपति शामिल हुए।

महाराष्ट्र सरकार के 100 दिवसीय कार्यक्रम की दी गई जानकारी

सीईओ रोहन घुगे ने इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के 100 दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी और सतत औद्योगिक विकास के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOPs) की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उद्यमियों की समस्याओं पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए कहा कि आसनगांव में जल्द ही एक अग्निशमन केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे औद्योगिक सुरक्षा में मजबूती आएगी।

4,896 करोड़ का संभावित निवेश, 68,000 रोजगार के अवसर

जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सोनाली देवरे ने बताया कि राज्य सरकार की 100 दिवसीय योजना के तहत ठाणे जिले में 65 समझौता ज्ञापन (MoU) किए गए हैं, जिनसे 4,896 करोड़ का निवेश और 68,000 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि 2024 में हुए 95% एमओयू पूर्णता की ओर अग्रसर हैं। देवरे ने ODOP-मिलेट्स परियोजना, मैत्री अधिनियम 2023 व मैत्री वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध एकल खिड़की योजना की जानकारी भी साझा की।

'मेरी सुरक्षा, मेरी जिम्मेदारी'

इस अवसर पर ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. स्वामी ने भी उद्यमियों की समस्याएं सुनीं और सौहार्दपूर्ण माहौल में उनका समाधान किया। उन्होंने उद्योग जगत से औद्योगिक सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। डॉ. स्वामी ने बताया कि अब ठाणे ग्रामीण पुलिस की वेबसाइट पर उद्योगों की शिकायतों के लिए विशेष विकल्प उपलब्ध हैं।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ज्ञान केंद्र का लोकार्पण

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व संध्या पर, कल्याण में स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ज्ञान केंद्र का लोकार्पण आगामी रविवार, 13 अप्रैल 2025 को किया जाएगा। यह विशेष कार्यक्रम शाम 7:00 बजे महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों होगा। इस अवसर पर उद्योग और मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाठ, और अन्य मान्यवर भी उपस्थित होंगे।

ज्ञान केंद्र की विशेषताएँ

ज्ञान केंद्र की इमारत लगभग 1397.91 चौ. मी. क्षेत्रफल के भूखंड पर बनी है और इसका आकार L टाइप है, जिसमें कुल 539.91 चौ. मी. का क्षेत्रफल है। इस भवन के पहले मंजिल पर डॉ. अंबेडकर की 12 फुट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है, जो उनके योगदान का प्रतीक है। इमारत में विभिन्न हॉल्स के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया जाएगा, जिनमें उनके बचपन, शिक्षा, सत्याग्रह और राजनीतिक करियर के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, उनके कार्यों का लेखा-जोखा प्रोजेक्टर और पैनल के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के कैंप-4 स्थित सुभाष टेकड़ी के चौक पर बुधवार को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण लंबाई वाली प्रतिमा का अनावरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अंबेडकरवादियों और समर्थकों में उत्साह का माहौल था, और भंते एन महाथेरो ने प्रतिमा का अनावरण किया।

समारोह में प्रमुख नेता और पदाधिकारी मौजूद

समारोह में रिपब्लिकन नेता सुरेश सावंत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर एस.एस. सासने, वंचित नेता सारंग थोरात, मनपा के सहायक निदेशक ललित खोबरागड़े, और मातंग समाज के नेता राजेंद्र अधगले सहित कई प्रमुख नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे। हजारों की संख्या में भीम सैनिकों ने भी समारोह में भाग लिया।

विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की पहल

प्रतिमा की स्थापना की पहल विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने की थी, जिन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे से इस प्रस्ताव को मंजूरी दिलवाई। एक करोड़ रुपये की निधि आवंटित करने के बाद, शिंदे ने इस प्रतिमा का शिलान्यास किया।

मनपा अधिकारियों का समारोह से मुंह मोड़ना

हालांकि समारोह का आयोजन महानगरपालिका द्वारा किया गया था, लेकिन मनपा आयुक्त श्रीमती मनीषा अव्हाले, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, उपायुक्त अजय साबले और शहर अभियंता खरात ने इस समारोह से मुंह मोड़ लिया। इस कदम से अंबेडकरवादियों में नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

सती जत्रोत्सव की पालकी यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

चार सौ वर्षों की परंपरा में शामिल हुईं तीन पीढ़ियां, मुलुंड में गूंजे भक्ति के स्वर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुलुंड उपनगर में आयोजित सती जत्रोत्सव की पारंपरिक पालकी यात्रा में ग्रामीण आस्था और संस्कृति की झलक देखने को मिली। सती देवी, नर्मदा देवी और गांव देवी की भव्य पालकी यात्रा ग्वाणपाडा से आरंभ होकर ऐतिहासिक सती देवी मंदिर तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ दर्शन किए। सुबह से ही राजेन्द्र प्रसाद रोड स्थित प्राचीन सती देवी मंदिर में पूजा, हवन और बलिदान जैसी धार्मिक विधियों का आयोजन किया गया। इसके बाद

देवी की पालकी यात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुंबई और ठाणे के गांवों — ग्वांणपाडा, नानेपाडा, ऐरोली, माजिवाडा और नवघर — से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। परंपरागत वाद्य यंत्रों की धुन पर ढोल-ताशे बजाते ग्रामीणों ने यात्रा को उत्सव का रूप दे दिया। गुलाल उड़ाते, थिरकते नवयुवकों और नवयुवतियों ने शोभायात्रा में ऊर्जा भर दी। इस मौके पर सती देवी की पालकी को कंधा देने के लिए हर कोई आगे बढ़ता नजर आया। पालकी यात्रा में गांव की तीन-तीन पीढ़ियां शामिल हुईं, जिससे इस पारंपरिक आयोजन का गौरव और बढ़ गया।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

मिथुन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्या — बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है।

तुला — सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

धनु — यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा।

मकर — अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी।

कुंभ — मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन — घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है।

शनि ग्रह के विभिन्न प्रभाव

जब इसका प्रभाव जन्म कुंडली के चौथे , उसके स्वामी तथा चन्द्रमा पर पड़ता है तो व्यक्ति को दुनिया से उचाट ,व्यक्ति को परलोक की अधिक सोचने वाला बना देता है

- यदि स्त्री की जन्म कुंडली में ये योग हो तो प्रेमी और कामुक पुरुष ऐसी स्त्री को साध नहीं पाएंगे
- वक्री ग्रह को बलशालि कहा जाता है तो जब शनि जन्म कुंडली में वक्री हो या गोचर में वक्री हो तो उसकी दृस्टि में कई गुना नाश की शक्ति उत्पन्न हो जाएगी
- रेवती ,श्रवण ,हस्त,आद्रा, वायु तत्व नक्षत्रों में शनि का गोचर् दुर्भिक्ष का भय देता है जलिय नक्षत्रो में होने से शरीर में पानी की भी कमी कर देता है व mundane level पर भी पानी का संकट आता है
- शनि, सूर्य,चन्द्र आपस में केंद्र स्थानों में हो तो आर्थिक

प्रियंका जैन
9769994439

तंगी पैदा करते हैं
और शनि की दृस्टि चन्द्र और सूर्य ग्रह पर हो तो भी जीवन में धन सम्बन्धी समस्याए रहती हैं

- जीवन में किसी 2nd hand व विधुर पुरुष या विधवा स्त्री से शादी करनी हो तो शनि ग्रह का विश्लेषण करना जरुरी होता है
- शिल्पा शेठी और करीना कपूर जैसी अभिनेत्रीयो की जन्म कुंडली में शनि ग्रह का रोल साफ दिखेगा
- जब luminaries (सूर्य या चंद्र) शनि के साथ युति मे हों या शनि से दृस्ट हो और साथ में शुक्र भी शनि के नक्षत्र में हो तो शादी late ही होती है

कुंडली के पहले भाव में शनि अपने दिग्बल् खो देता है
भले ही लग्न में उच्च का होकर बैठा हो वैवाहिक जीवन के चलते व्यक्ति को दुःख तो देता ही है
जन्म कुंडली में ब्रहस्पति ग्रह किसी भी बीमारी से recovering power को दर्शाता हैं
परन्तु ब्रहस्पति डिग्री के अनुसार शनि से किसी पाप राशि मे युति में हो तो शरीर की बीमारी से लड़ने की ताकत में कमी आती हैं
जैसा की हमने देखा जब शनि और ब्रहस्पति की युति मकर राशि मे हुई.

- शनि बीमारी के रूप में शरीर का Central nervous system बिगाड़ देता है व्यक्ति की Skin dry रहने लगती है।

झारखंड में 144000 बोतल विदेशी शराब जब्त

पलामू। झारखंड में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। एक ट्रक में भरकर ले जाई जा रही अवैध विदेशी शराब बरामद की गईं। ट्रक में 1200 कार्टन रखे थे, जिनमें विदेशी शराब की 144000 बोतलें थीं। इन्हें तस्करी कर भूटान ले जाया जा रहा था। झारखंड के पलामू जिले में गोवा से तस्करी कर भूटान ले जाई जा रही अवैध विदेशी शराब जब्त की गई। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बीच सड़क पर युवक की गोली मारकर हत्या

पटना: बिहार के पटना का मसौढ़ी इलाका एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। दिनदहाड़े पावर ग्रिड के नजदीक जहानाबाद रोड में एक युवक को बोलेरो से आए अपराधियों ने गोलियों से भून दिया। उसे पांच गोली मारी गई है। युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, इस वारदात के बंद तमाम दुकानदारों ने अपनी दुकानों का शटर गिरा दिया है। जमीन खरीद-बिक्री का धंधा करता था युवकः मृतक की पहचान मुकेश कुमार उर्फ छोटन के रूप में हुई है। उसके पिता जगदीश यादव मसौढ़ी में कपड़े की दुकान चलाते हैं। पिता के साथ ही मुकेश भी कपड़े की दुकान में बैठता था। दो-तीन महीने पहले से उसने जमीन खरीदी का काम भी शुरू किया था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि जमीन के विवाद में ही उसकी हत्या की गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त का झारखंड दौरा

रांची। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन, शनिवार को वे रामगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद उन्होंने सीसीएल गेस्ट हाउस, रजरप्पा में आयोजित "एक्सपीरियंस शेयरिंग" कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले वॉलेंटियर्स के अनुभव साझा करना था। कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में वॉलेंटियर्स की अहम भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्वयं भी अपने अनुभव साझा किए और वॉलेंटियर्स के अनुभवों से सीखने की कोशिश की।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा क्षेत्र के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 3 नक्सलियों को ढेर हो गए। सुरक्षाबलों ने मारे गये तीनों नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी। ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी तक 3 नक्सली मारे गये हैं। मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं, इलाके की सर्चिंग जारी है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा-बीजापुर के सरहदी इलाके इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षाबलों और पुलिस के जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया।

लालू यादव की सलाह पर चले तेजस्वी

तेजस्वी यादव का मिशन 'कोर वोटर'

'A से Z' तक सबको जोड़ने की कोशिश, EBC और महादलितों पर फोकस

एजेंसी | पटना

2020 में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद सत्ता से दूर रह गई आरजेडी अब 2025 के विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति में बड़ा बदलाव कर रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इस मिशन में जुटे हैं कि पार्टी को सिर्फ 'MY (मुस्लिम-यादव)' समीकरण से बाहर निकालकर 'A to Z' पार्टी के रूप में पेश किया जाए। इसके लिए वे वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ चौपालों से मुस्लिम मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) और महादलितों को भी नए सिरे से अपने पाले में लाने की तैयारी में हैं।

2025 के लिए आरजेडी का गणित

डीबीडी इन्फो

जातीय जनगणना के मुताबिक, ईबीसी राज्य की 36.1% और अनुसूचित जाति 19.65% आबादी है। इनमें से बड़ी संख्या पासवान (5.3%) और रविदास (5.2%) समुदायों की है, लेकिन मुसहर (3.08%) और भुइयां (0.79%) जैसे समूह अब तक उपेक्षित रहे हैं। आरजेडी इन्हीं वर्गों में पैठ बनाकर सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

मुसहर-भुइयां पर नजर, नीतीश-मांझी को घेरा

तेजस्वी का फोकस अब दलितों के सबसे उपेक्षित वर्ग — मुसहर और भुइयां — पर है, जो कभी नीतीश कुमार और जीतन राम मांझी के कोर वोटर माने जाते थे। 7 अप्रैल को पटना में तेजस्वी ने इन समुदायों के नेताओं की बैठक बुलाई और कहा कि "नीतीश अब 20 साल पुरानी कार की तरह हैं, जिसे बदलने की जरूरत है।" तेजस्वी ने वादा किया कि अगर महागठबंधन सत्ता में आया तो मुसहर-भुइयां समुदाय को पक्के घर मिलेंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उनके पिता लालू प्रसाद यादव ने 90 के दशक में दलितों के लिए कई काम किए थे, जिनमें दलित बस्तियों का निर्माण और ताड़ी कर हटाना शामिल था।

'बीएएपी' का नारा और सामाजिक समीकरण

तेजस्वी ने फरवरी 2024 में "बीएएपी" (बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी और गरीब) का नारा देकर आरजेडी की नई सोच का संकेत दिया था। हालांकि लोकसभा चुनाव में यह प्रयोग सफल नहीं रहा और पार्टी महज 4 सीटों पर सिमट गई, लेकिन तेजस्वी को उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखाई देगा।

राजगीर और बिहारशरीफ रेलवे स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास

दिसंबर 2025 तक पूरा होगा कायाकल्प

पटना/नालंदा : बिहार के ऐतिहासिक शहरों राजगीर और बिहारशरीफ के रेलवे स्टेशनों की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने वाली है। पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल के अंतर्गत आने वाले इन दोनों प्रमुख स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। रेलवे का लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक इस कार्य को पूरा कर यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव दिया जा सके।

राजगीर में बनेगा नया वाशिंग पिट

राजगीर स्टेशन पर करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से एक नया वाशिंग पिट भी बन रहा है, जिससे नई ट्रेनों के संचालन का रास्ता साफ होगा और स्टेशन की कार्यक्षमता में इजाफा होगा।

राजगीर स्टेशन पर दिखेगी बौद्ध और मगध संस्कृति की झलक

राजगीर स्टेशन न सिर्फ अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित होगा, बल्कि इसकी दीवारों पर बौद्ध धर्म, मगध साम्राज्य और जरासंध जैसे ऐतिहासिक पात्रों की चित्रकारी भी की जाएगी। यहां नए प्लेटफॉर्म, एस्केलेटर, लिफ्ट, वीवीआईपी लाउंज और आधुनिक खानपान की व्यवस्था की जा रही है। बिहारशरीफ स्टेशन पर भी यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है। दोनों स्टेशनों पर 45 से 50 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण हो रहा है, जिसकी निगरानी दानापुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं।

अयोध्या में डबल मर्डर से सनसनी

पत्नी और मासूम बेटे की हत्या कर पति फरार

एजेंसी | अयोध्या

रामनगरी में शनिवार सुबह डबल मर्डर की खबर से हड़कंप मच गया। कोतवाली नगर क्षेत्र की शिवनगर कॉलोनी के पीछे झुग्गियों में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन साल के मासूम बेटे की हत्या कर दी। आरोपी पति मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और उसकी गिरफ्तारी के लिए दो टीमें तैनात कर दी गई हैं। एसएसपी ने जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

पत्नी पर बांके से वार, बेटे की गला दबाकर हत्या

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी शहजान खंडकर ने पत्नी के सिर और चेहरे पर बांके से वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मासूम बेटे की गला दबाकर हत्या की गई। हत्या के समय बड़ा बेटा पड़ोसी के घर में सो रहा था। उसने बताया कि रात को मां-पिता के बीच विवाद हुआ था, जिससे परेशान होकर वह बाहर सोने चला गया।

घटनास्थल पर आला अधिकारी पहुंचे

घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी मधुबन सिंह, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह और नगर कोतवाल अश्विनी पांडे मौके पर पहुंचे और छानबीन की। हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार अभी तक बरामद नहीं हुआ है। एसएसपी राजकरण नय्यर ने बताया कि मौके से कुछ महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हत्या आरोपी पति ने ही की है।

बेटे ने देखा खून से सना मंजर

घटना की जानकारी शनिवार सुबह उस वक्त हुई जब दंपति का बड़ा बेटा नेबुतुल्ला घर लौटा। उसने मां और छोटे भाई को मृत हालत में जमीन पर पड़ा देखा और शोर मचाकर लोगों को बुलाया। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मृतकों की पहचान नेशिया बेगम और तीन वर्षीय सहादकर खंडकर के रूप में हुई है।

चलती ट्रेन के सामने गिरी महिला, लोको पायलट की सूझबूझ से बची जान

एजेंसी | बेगूसराय

बिहार के बेगूसराय जिले के बखरी अनुमंडल के सलौना ढाला पर शुक्रवार को एक ऐसा चौंकाने वाला हादसा हुआ, जिसने हर किसी को दहला दिया। मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला अचानक रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ी, लेकिन ट्रेन के लोको पायलट की सतर्कता ने उसकी जान बचा ली। चलती ट्रेन को रोकने के लिए लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि ट्रेन पूरी तरह रुकने से पहले महिला इंजन के नीचे आ गई और उसे गंभीर चोटें आईं। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की शिकार महिला की पहचान शकरपुरा निवासी घुरन चौधरी की 55 वर्षीय पत्नी सरस्वती देवी के रूप में हुई है। उनके हाथ में आधार कार्ड होने की वजह से पहचान संभव हो सकी।

मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं सरस्वती देवी

परिजनों के अनुसार सरस्वती देवी मानसिक रूप से कमजोर हैं और अक्सर बिना किसी को बताए घर से निकल जाती थीं। गुरुवार को भी वह इसी तरह अचानक घर से लापता हो गई थीं। संभावना है कि वह ट्रैक किनारे चलते समय चक्कर खाकर गिर पड़ीं, तभी सलौना स्टेशन से छूटी पैसेंजर ट्रेन आ गई।

महिला गैंग ने की 69 लाख की ठगी

आटा चक्की और लोन के नाम पर 150 महिलाओं से धोखाधड़ी

महासमुंद : प्रदेश में ठगी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अबकी बार एक महिला ठग गैंग ने 150 से ज्यादा महिलाओं को आटा चक्की और स्वरोजगार के नाम पर झांसा देकर करीब 69 लाख रुपएकी ठगी कर डाली। रायपुर की राखी ध्रुव और पूनम नायक नाम की दो महिलाओं पर यह आरोप है, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पहले से दर्ज हैं ठगी के मामले

गिरफ्तार महिलाएं कोई पहली बार इस तरह की वारदात में नहीं पकड़ी गईं। दुर्ग के उतई थाना क्षेत्र में भी इनके खिलाफ पहले से ठगी के मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में और भी आरोपी हो सकते हैं। जांच जारी है।

आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के खिलाफ पहले से भी गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ठगी में शामिल अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

प्रतिभा पांडेय, एएसपी

स्वरोजगार का सपना दिखाया, फिर लोन दिलवाकर रकम हड़प ली

आरोपियों ने महासमुंद, आरंग और मुड़ियाडीह की महिलाओं को 10-10 के समूह में आटा चक्की लगाने का लालच दिया। हर महिला को 6,000 रुपएप्रति माह मानदेय और 40,000 रुपएलोन दिलवाने की बात कही गई। महिलाओं ने बैंक से लोन लिया, लेकिन लोन की रकम लेकर आरोपियों ने कहा कि वे किश्तें चुकाएंगी। शुरुआत में कुछ किश्तें दी भी गईं, जिससे महिलाओं का भरोसा और पक्का हो गया। कुछ महीनों बाद किश्तें देना बंद कर दिया गया। बैंक ने जब वसूली शुरू की, तो महिलाओं को ठगी का एहसास हुआ।

यूपी से बाहर भी बढ़ रही जयंत चौधरी की सियासी ताकत

नई दिल्ली : आगामी लोकसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को बड़ी राजनीतिक ताकत मिलती दिख रही है। शनिवार को राजधानी दिल्ली स्थित 25 तुगलक रोड पर आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा से कई पूर्व विधायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य अपने-अपने दलों से इस्तीफा देकर आरएलडी में शामिल हो गए। इन सभी नेताओं ने आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों पर भरोसा जताते हुए सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर सक्सेना ने सभी नवागंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आरएलडी के लिए गौरव का क्षण है कि इतने अनुभवी जनप्रतिनिधियों ने पार्टी की विचारधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है।

व्यापार जगत

सीईए ने 7.5 गीगावाट की 6 हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश की ऊर्जा भंडारण क्षमता को बढ़ाने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए 7.5 गीगावाट क्षमता वाली 6 हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं (PSP) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण और अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती देने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है।

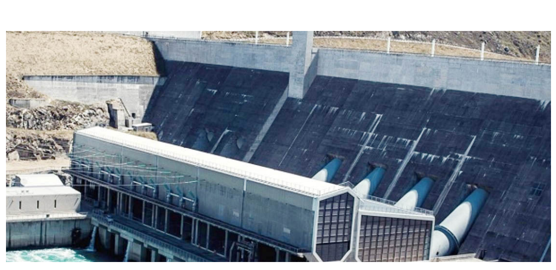

साझेदारी से मिली सफलता

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं को मंजूरी देना सीईए, पीएसपी डेवलपर्स और अन्य तकनीकी संगठनों जैसे CWC, GSI और CSMRS के आपसी सहयोग का नतीजा है। यह पहल न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करेगी, बल्कि क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाएगी।

2030 तक लक्ष्य

विद्युत मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 22 गीगावाट क्षमता वाली कम से कम 13 नई परियोजनाओं को भी मंजूरी देने की योजना है। इनमें से अधिकांश परियोजनाओं को चार वर्षों में पूरा कर 2030 तक संचालन में लाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी और देश के अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।

इन राज्यों में लगेंगी परियोजनाएं

विद्युत मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि तकनीकी-आर्थिक मंजूरी निकाय केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में करीब 7.5 गीगावाट की छह हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय के मुताबिक ये छह परियोजनाएं है, ओडिशा में अपर इंद्रावती (600 मेगावाट), कर्नाटक में शरावती (2,000 मेगावाट), महाराष्ट्र में भिवपुरी (1,000 मेगावाट) और भवाली (1,500 मेगावाट), मध्य प्रदेश में एमपी-30 (1,920 मेगावाट) और आंध्र प्रदेश में चित्रावती (500 मेगावाट)।

अरुणाचल में अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित

एजेंसी | नई दिल्ली

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया। यह आयोजन अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र को वैश्विक कृषि बाजार से जोड़ना है।

3 देशों के 11 अंतरराष्ट्रीय खरीदार पहुंचे

इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और भूटान से आए 11 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने भारत के 7 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 17 निर्यातकों से मुलाकात की। दिल्ली, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, पश्चिम बंगाल और हैदराबाद के निर्यातकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

स्थानीय किसानों को मिला सीधा मंच

बैठक में अरुणाचल प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) और 200 से ज्यादा किसान शामिल हुए, जिन्हें देशभर के निर्यातकों से सीधे संवाद का अवसर मिला। इस बातचीत के दौरान किसानों ने अपनी फसलों की गुणवत्ता, उत्पादन क्षमता और उपलब्धता की जानकारी साझा की।

निर्यात के नए रास्ते खोलने की तैयारी

एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने अरुणाचल प्रदेश के एफपीओ/एफपीसी को प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बाजार तक सीधी पहुंच, प्रचार और वैश्विक आउटरीच का लाभ मिलेगा।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने घटाई ब्याज दर

लोन की ईएमआई होगी सस्ती

एजेंसी | नई दिल्ली/चेन्नई

पंजाब नेशनल बैंक समेत अन्य बैंकों के बाद अब इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने भी अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.25 फीसदी की कटौती की है। यह नई दर 12 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है।

ब्याज दर अब 8.85%

बैंक की ओर से जारी बयान के मुताबिक, RLLR को 9.10% से घटाकर 8.85% कर दिया गया है। यानी अब IOB से नया लोन लेने वालों की EMI कम हो जाएगी और उन्हें कम ब्याज चुकाना होगा। बैंक की परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (ALCO) ने 11 अप्रैल को हुई बैठक में यह फैसला लिया। इसके बाद RLLR में तत्काल कटौती लागू कर दी गई।

रोज वैली पोंजी घोटाला

केंद्र ने जारी किए 515 करोड़ रुपए

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रोज वैली पोंजी घोटाले के पीड़ितों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से 515.31 करोड़ रुपए की राशि का डिमांड ड्राफ्ट परिसंपत्ति निपटान समिति (एसेट डिस्पोजल कमेटी - ADC) को सौंपा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने यह डिमांड ड्राफ्ट शनिवार को समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीके सेठ को सौंपा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, इस राशि का उपयोग

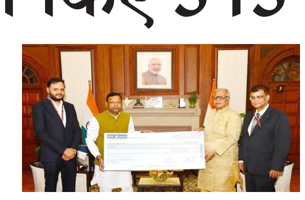

उन लगभग 7.5 लाख वैध निवेशकों को धनवापसी के लिए किया जाएगा, जिन्होंने समिति के पास दावा दर्ज कराया है। समिति के पास कुल 31 लाख दावे आए हैं। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 22 करोड़ रुपए ADC को दिए थे, जिससे 32,319 निवेशकों को उनकी धनराशि लौटाई गई थी। ईडी ने 2015 से 2017 के बीच मनी ट्रेल की गहन जांच कर 2,987 बैंक खातों का पता लगाया, जिनमें से 515.31 करोड़ रुपए की राशि निर्दोष निवेशकों से धोखे से एकत्र की गई थी। यह राशि जब्त कर 700 से अधिक सावधि जमा (FD) में परिवर्तित की गई। यह पूरी कार्रवाई न्यायाधिकरण की मंजूरी और कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। रोज वैली घोटाले की जांच पीएमएलए (धनशोधन निवारण अधिनियम) के तहत की जा रही है।

केएफसी इंडिया और कैरीमिनाटी ने मिलकर लॉन्च किया सॉसी पॉपकॉर्न

एजेंसी | नई दिल्ली

केएफसी इंडिया ने भारत के लोकप्रिय यूट्यूबर कैरीमिनाटी (अजय नागर) के साथ मिलकर नया 'सॉसी पॉपकॉर्न' लॉन्च किया है। यह मजेदार और चटपटा स्नैक एक खास लिमिटेड एडिशन में पेश किया गया है, जिसमें केएफसी का लाजवाब स्वाद और कैरी की जोशीली पर्सनैलिटी का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है। 67 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स वाले कैरीमिनाटी ने सिर्फ ब्रांड से नाम नहीं जोड़ा, बल्कि इस सॉसी पॉपकॉर्न के स्वाद, स्टाइल और पैकेजिंग में भी अपनी भागीदारी दी है। यह पहली बार है जब किसी जनरेशन Z आइकन ने केएफसी की किचन में कदम रखा और खास 'कैरी ट्विस्ट' वाला स्नैक तैयार किया।

जयपुर में भिड़ेंगी दो रॉयल टीमें

फिल सॉल्ट-विराट कोहली के सामने होगी जोफ्रा आर्चर की मुश्किल चुनौती

एजेंसी । जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रविवार को एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा जब राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की टीमें जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमें अपने पिछले मैच हार चुकी हैं और जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेंगी।

विराट-सॉल्ट बनाम जोफ्रा आर्चर

RCB की ओर से फिल सॉल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी आक्रामक शुरुआत देने के लिए जानी जाती है। दोनों ने अब तक क्रमशः 143 और 186 रन बनाए हैं। लेकिन इस बार इनका सामना होगा तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से, जो अपनी रफ्तार और सटीकता से एक बार फिर फॉर्म में लौट चुके हैं। पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए अहम विकेट चटकाए हैं।

पॉइंट्स टेबल की स्थिति

पांच मैचों में तीन जीत के साथ RCB अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स दो जीत के साथ सातवें नंबर पर है। दोनों टीमें इस मुकाबले में अहम दो अंक हासिल करने की कोशिश करेंगी।

राजस्थान की बल्लेबाजी पर नजर

राजस्थान को पिछले मुकाबले में गुजरात के खिलाफ 159 रन पर समेट दिया गया था। इस बार टीम को यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन और रियान पराग जैसे बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। शिमरोन हेटमायर और ध्रुव जुरेल निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

क्या कहती है पिच?

जयपुर की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जाती है, लेकिन यहां स्पिनर भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्षाना और क्रुणाल पंड्या जैसे स्पिनर निर्णायक साबित हो सकते हैं।

RCB की मजबूती

RCB की बैटिंग लाइनअप काफी मजबूत दिख रही है। कोहली और सॉल्ट के अलावा लियाम लिविंगस्टोन, टिम डेविड और देवदत्त पडिक्कल किसी भी गेंदबाजी पर भारी पड़ सकते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड जैसे अनुभवी गेंदबाज टीम को मजबूती दे रहे हैं।

वनडे में दो गेंद इस्तेमाल करने का नियम बदलेगा!

एजेंसी । नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों के दबदबे को लेकर चली आ रही चिंता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस नियम में बदलाव कर सकता है। आईसीसी बोर्ड रविवार को हरारे में इस मुद्दे पर चर्चा करेगा।

काफी समय पुराना नियम

दो नई गेंद का नियम एक दशक से भी अधिक समय से लागू है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली आईसीसी क्रिकेट समिति ने वनडे में एक गेंद के इस्तेमाल की सिफारिश की है। इसे आईसीसी के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए जिसके बाद ही इसे संशोधित खेल शर्तों में शामिल किया जाएगा। अभी वनडे में दो नई सफेद कूकाबुरा गेंदों का इस्तेमाल होता है। गेंदबाजों द्वारा प्रत्येक छोर से अलग-अलग नई गेंदों का इस्तेमाल करने के कारण गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का फायदा मिलता है। क्षेत्ररक्षण पाबंदी (30 गज के घेरे के बाहर चार क्षेत्ररक्षक) के कारण बल्लेबाजों को गेंदबाजों पर अनुचित लाभ मिलता है।

तीन नियमों में बदलाव

आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया, आईसीसी क्रिकेट समिति ने तीन नियमों में बदलाव की सिफारिश की है। एक दिवसीय क्रिकेट में एक सफेद गेंद का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए 'क्लॉक टाइमर (टाइमर घड़ी) का उपयोग और अंडर-19 पुरुष विश्व कप को 50 ओवर से टी-20 में बदलना।

ऐसी संभावना है कि 25वें ओवर तक दो गेंद का उपयोग किया जा सकता है। उसके बाद गेंदबाजी करने वाली टीम को मैच पूरा करने के लिए दो गेंद में से एक को रखने का विकल्प दिया जाएगा।

ओवरों के बीच एक मिनट

'टाइमर क्लॉक के मामले में ओवरों के बीच 60 सेकंड का समय देने और एक दिन में 90 ओवर पूरे करने के लिए समय सीमा तय करने की सिफारिश की गई है। धीमी ओवर गति का नियम टी-20 के लिए पहले से ही लागू है। इसमें समय से पीछे चल रही टीम को 19वें ओवर की समाप्ति के बाद सर्कल के भीतर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक लाने की आवश्यकता होती है।

चैंपियन सितसिपास को हराकर मुसेटी पहली बार सेमीफाइनल में

- मोंटे कार्लो टूर्नामेंट के अंतिम चार में लोरेंजो के सामने डि मिनॉर की चुनौती
- अल्काराज करेंगे हमवतन डेविडोविच फोकिना का सामना

टेनिस

एजेंसी । मुंबई

गत चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हारकर बाहर हो गए हैं। उन्हें लोरेंजो मुसेटी ने पिछड़ने के बाद तीन सेट में हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना एलेक्स डि मिनॉर से होगा।

बढ़त के बाद हारे

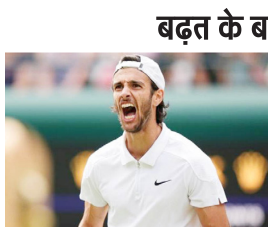

दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त यूनान के सितसिपास का इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा लेकिन शुक्रवार रात खेले गए मैच में 13वें वरीय इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद उनकी लय एकदम से गड़बड़ा गई। सितसिपास 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो में चैंपियन रहे हैं। इस मैच से पहले मुसेटी के खिलाफ उनका 5-0 का शानदार रिकॉर्ड था। यहां भी उन्होंने पहला सेट 6-1 से जीत लिया। लेकिन मुसेटी ने आखिरी दो सेट 6-3, 6-4 से जीतकर अंतिम चार में जगह बना ली। फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें अब आठवें वरीय ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर की चुनौती तोड़नी होगी।

मिनॉर ने दिमित्रोव को हराया

मिनॉर ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में 15वें वरीय बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को आसानी से 6-0, 6-0 से हराकर तीन साल में पहली बार किसी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल दूसरे वरीय स्पेन के कार्लोस अल्काराज और उनके हमवतन डेविडोविच फोकिना के बीच होगा। दुनिया के तीसरे नंबर के अल्काराज ने क्वार्टर फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके आर्थर फिल्स की कड़ी चुनौती तोड़ी और आखिर में ढाई घंटे तक चले मैच में 4-6, 7-5, 6-3 से जीत हासिल करने में सफल रहे। दूसरी ओर 2022 के उपविजेता फोकिना ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

कॉजियर से हार पंकज आडवाणी स्वर्ण पदक से चूके

- 15 फ्रेम के मुकाबले में पंकज को 7-8 से हार का सामना करना पड़ा
- अब रविवार से शुरू हो रहे विश्व बिलियर्ड्स में खिताब बचाने उतरेंगे

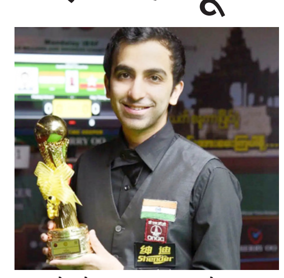

कार्लो। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में संघर्षपूर्ण मुकाबले में स्वर्ण पदक के करीब पहुंच कर चूक गए। यहां शनिवार को टूर्नामेंट के फाइनल में उन्हें ग्रेट ब्रिटेन डेविड कॉजियर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

बड़ी बढ़त के बाद हारे

पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। आडवाणी के प्रदर्शन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुकाबले के 12 फ्रेम के बाद वह 7-5 से आगे थे लेकिन आखिरी के तीनों फ्रेम में वह पिछड़ गए। ग्रेट ब्रिटेन के खिलाडी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 (19-100, 0-100, 100-47, 100-52, 19-100, 100-0, 49-100, 100-3, 34-100, 4-100, 100-85, 31-100, 100-53, 100-43, 100-28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से यहां आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे। इसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं।

गुजरात के ग्लेन फिलिप्स चोटिल, आईपीएल से बाहर

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन की तकलीफ के कारण आईपीएल के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह घोषणा की। गुजरात टाइटंस ने बयान में कहा, फिलिप्स सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 6 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हो गए थे। न्यूजीलैंड का यह ऑलराउंडर स्वदेश लौट गया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में गुजरात टाइटंस के किसी भी मैच में अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे। सनराइजर्स के खिलाफ मैच में वह स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक रूप में फील्डिंग कर रहे थे। फिलिप्स गुजरात के स्वदेश लौटने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा निजी कारणों से स्वदेश लौट गए थे।

फुटबॉल को वैश्विक बनाने में टूर्नामेंटों की बड़ी भूमिका: फीफा अध्यक्ष

कुआलालंपुरः फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया भर में फुटबॉल के विकास के लिए बढ़ते टूर्नामेंटों की अहमियत को रेखांकित किया है। शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ (AFC) कांग्रेस को दिए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों को आपस में खेलने के ज्यादा अवसर मिलने चाहिए। इन्फेंटिनो ने कहा कि हम लंबे समय से यह बदलाव लाना चाहते थे। जब अलग-अलग महाद्वीपों की टीमें एक-दूसरे से खेलती हैं, तो न केवल खिलाड़ियों का अनुभव बढ़ता है, बल्कि खेल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।

क्लब विश्व कप में दिखेगा नया स्वरूप

उन्होंने इस साल जून-जुलाई में अमेरिका में होने वाले क्लब विश्व कप को इस दिशा में एक बड़ा कदम बताया। फीफा प्रमुख ने कहा कि 1930 से अब तक हुए सभी विश्व कपों में जितने खिलाड़ी खेले हैं, उससे अधिक इस टूर्नामेंट में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह हमारी उस इच्छा का प्रमाण है कि फुटबॉल वास्तव में वैश्विक बने। गौरतलब है कि इस बार क्लब विश्व कप में 32 टीमें भाग लेंगी, जो टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा आकार होगा। इससे फुटबॉल को नए बाजारों और नए प्रतिभाओं तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। फीफा अध्यक्ष के इस बयान को वैश्विक फुटबॉल के विस्तार और खेल की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बॉ ली वु ड

'नई पीढ़ी के फिल्ममेकर खो चुके हैं वो जज़्बा ' सनी देओल

- लोकेश चंद्रा

यहां पढ़िए सनी देओल के साथ हुई बातचीत के कुछ खास अंश, जहां उन्होंने पारिवारिक सुख, फिल्मी चुनौतियों, और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

हिंदी सिनेमा में अपने दमदार अभिनय और जोशीले डायलॉग्स के लिए मशहूर सनी देओल ने साल 2023 में 'गदर 2' के ज़रिए अपने करियर की दूसरी पारी का शानदार आगाज़ किया था। अब वे एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटे हैं, अपनी फिल्म 'जाट' के साथ, जो 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 'दैनिक दो बजे दोपहर' को दिए गए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में सनी देओल ने अपने करियर, पारिवारिक बदलावों और फिल्म को लेकर उत्साह से जुड़ी कई बातें शेयर कीं। बातचीत के दौरान अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि, घर में बहू आने के बाद देओल परिवार की किस्मत मानो चमक गई है। हर तरफ से शुभ समाचार मिल रहे हैं और ज़िंदगी में सकारात्मक बदलाव महसूस हो रहा है।

Q: 'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद दर्शकों की उम्मीदें आपसे और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में इस फिल्म को चुनने के पीछे आपकी सबसे बड़ी वजह क्या रही?

गदर 2 के बाद मैथ्री ने मुझे साइन कर लिया था। मेरे पास एक कहानी थी, जिसे हमने कोविड-19 के दौरान तैयार किया था। मैंने उस कहानी को लेकर कई डायरेक्टर्स से संपर्क किया, लेकिन किसी ने उसमें खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसी दौरान मैथ्री प्रोडक्शन्स ने मुझे सलाह दी कि मैं गोपीचंद मलिनेनी से बात करू, गोपीचंद इस स्क्रिप्ट में दिलचस्पी जरूर लेंगे। लेकिन जब मैं गोपीचंद से मिला, तो उनके पास भी एक कहानी थी और वो थी 'जाट' की। जब मैंने वो कहानी सुनी, तो मुझे इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत कहा, 'चलो पहले इसी पर काम करते हैं।' अगर आप फिल्म देखेंगे तो उसमें ड्रामा है, एक्शन है, इमोशन है और बहुत कुछ ऐसा है जो दर्शकों को पसंद आएगा। फिल्म में मेरा जो लीड किरदार है, वो जाट कम्युनिटी से है। पंजाब में कुछ लोग 'जट' कहते हैं, कुछ 'जाट', लेकिन ज़्यादातर किसान वहीं से आते हैं और इसलिए हमने फिल्म का टाइटल 'जाट' रखने का फैसला किया। ये कहानी मेरे दिल के काफ़ी क़रीब है, और मैं चाहता हूँ कि दर्शक भी इस सफर को उतनी ही शिद्दत से महसूस करें, जितनी हमने इसे बनाते वक्त की थी।

Q: 'गदर 2' जैसी ब्लॉकबस्टर देने के बाद क्या आप दर्शकों की बढ़ती उम्मीदों को लेकर कोई दबाव महसूस करते हैं?

नहीं, मैंने अपने करियर में कई फिल्में की हैं, लेकिन मैंने कभी भी अपने काम को लेकर किसी तरह का प्रेशर महसूस नहीं किया, मेरे लिए सबसे ज़रूरी चीज़ ये होती है कि जिस कहानी पर मैं काम कर रहा हूं, वो दमदार हो और लोगों के दिलों से जुड़ सके। अगर दर्शकों को कहानी से जुड़ाव महसूस होता है, तो फिल्म अपने आप सफल हो जाती है। हर कहानी की अपनी एक आत्मा होती है, और 'जाट' की कहानी ने मुझे तुरंत बांध लिया था। रही बात साउथ के फिल्मकारों की तो साउथ इंडस्ट्री में जिस तरह का सम्मान, समर्पण और प्रेम काम को लेकर दिखता है, वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है। यही वजह है कि हमने 'जाट' को भी पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ बनाया है। मेरे लिए ये फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि एक जज्बात है और मैं चाहता हूं कि ये जज्बात दर्शकों तक भी पहुंचे।

Q: 'चुप' जैसी दमदार फिल्म को वो पहचान नहीं मिली जिसकी वो हकदार थी, क्या आपको भी ऐसा लगता है?

मेरा स्टारडम जिन फिल्मों से बना है, 'चुप' उनसे बिल्कुल अलग तरह की फिल्म थी, जिन क्षेत्रों में मेरी फैन फॉलोइंग ज़्यादा है, वहां शायद उस तरह का सिनेमा अभी भी ज़्यादा नहीं देखा जाता। जबकि 'चुप' एक शहरी फिल्म थी, जो भारतीय सिनेमा की हकीकत को बेहद अलग अंदाज़ में पेश करती है। 'गदर 2' की सफलता के बाद मैंने ये समझा कि अब हर फिल्म को बहुत सोच-समझकर चुनना होगा, ऐसी कहानियां जो दर्शकों से जुड़ाव बनाए और उनके दिलों को छू सके। 'चुप' एक बेहद खूबसूरत फिल्म थी, जिसे आर. बाल्की साहब ने शानदार ढंग से निर्देशित किया था, सनी भावुक होकर कहते हैं, लेकिन अब मेरा फोकस उन फिल्मों पर है जो मेरी ऑडियंस को वो दे सके, जिसके लिए उन्होंने मुझे हमेशा चाहा है, दमदार किरदार, गूंजते डायलॉग और दिल से जुड़ी कहानियां।

Q: अब जब आप साउथ के डायरेक्टर्स के साथ काम कर रहे हैं, फैंस जानना चाहते हैं, इतना इंतज़ार क्यों कराया?

दरअसल, एक एक्टर अपने करियर की दिशा अक्सर ऑडियंस की उम्मीदों के मुताबिक ही मोड़ता है, लोग मुझे 'गदर' जैसी दमदार और इमोशनल फिल्मों में देखना पसंद करते हैं, और जब वो फिल्म रिलीज़ हुई, तो दर्शकों ने उसे ब्लॉकबस्टर बना दिया। उसके बाद मैंने तय किया कि अब मैं वही फिल्में करूंगा जिनमें दर्शक मुझे देखना चाहते हैं, 'गदर 2' में मेरी वापसी देखने के बाद साउथ के कई प्रोड्यूसर्स को भी लगा कि मुझे अपनी किसी एक्शन-पैक्ड, कमर्शियल फिल्म में कास्ट करना चाहिए। और फिर उन्होंने मेरी तरफ ऐसे कुछ प्रोजेक्ट्स का प्रस्ताव भेजा। मेरे लिए सबसे ज़रूरी बात ये होती है कि मैं जो भी किरदार निभाऊं, वो लोगों के दिलों में उतर जाए। और जब दर्शक किसी फिल्म को सिर आंखों पर बैठा लेते हैं, तो वो हमारे लिए सबसे बड़ी जीत होती है।

Q: 67 की उम्र में ऐसा दमदार एक्शन करना आसान नहीं होता, यह आप के लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा

उम्र तो मेरे लिए बस एक नंबर है, सनी देओल मुस्कुराते हुए कहते हैं। मैंने कभी इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, क्योंकि मैं आज भी वही करता हूं जो हमेशा करता आया हूं। असल में, मुझे अपनी उम्र का एहसास भी नहीं होता, जब तक कोई याद नहीं दिला दे कि मैं 67 का हो चला हूं। सिनेमा में जब आप किसी किरदार को देखते हैं, तो आप उसकी उम्र नहीं देखते, आप उसके जज़्बात, उसकी कहानी और उसकी सच्चाई को महसूस करते हैं। इसलिए मेरे लिए उम्र की बात वहीं खत्म हो जाती है। जब तक मैं अपने किरदारों के साथ ईमानदारी से जुड़ा हूं, तब तक मेरी उम्र मायने नहीं रखती, मायने रखता है सिर्फ वो किरदार जो मैं निभा रहा हूं।

Q: देओल परिवार को लगातार मिल रही सफलताओं को आप ईश्वर की कृपा मानते हैं?

निश्चित रूप से हम पर ईश्वर की अपार कृपा रही है, सनी देओल भावुक होकर कहते हैं। जब से मेरे बेटे राजवीर की शादी हुई और हमारे घर में बहू के रूप में एक बेटी आई है, तब से मानो सब कुछ और भी बेहतर हो गया है। वे मुस्कान के साथ आगे कहते हैं, घर का माहौल पहले से ज्यादा खुशनुमा हो गया है, हर चीज़ में एक पॉजिटिव एनर्जी महसूस होती है। मैं बस यही दुआ करता हूं कि यह सुखद सिलसिला यूं ही बना रहे और हमारे परिवार पर भगवान का आशीर्वाद हमेशा बना रहे।

Q: बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री, दोनों में आपने काम किया है, क्या कुछ ऐसा है जो आपको साउथ में अलग या खास लगा हो?

दर्शक उन फिल्मों से सबसे ज़्यादा जुड़ाव महसूस करते हैं, जिनमें उन्हें अपना प्रतिबिंब दिखे, अपनी मिट्टी, अपनी कहानी और अपनी भावनाएं। साउथ की फिल्में इसी भावनात्मक जुड़ाव को समझती हैं और उसी के मुताबिक फिल्में बनती हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, बॉलीवुड ने पिछले कुछ सालों में इस एहसास को कहीं खो दिया है। हमारे जमाने के जो निर्देशक और निर्माता थे, उन्होंने जो सिनेमाई परंपराएं बनाईं थीं, वो अब नए मेकर्स की भीड़ में कहीं धुंधली हो गई हैं। अब हम साउथ की फिल्मों के रीमेक बनाकर उनसे सीखने की कोशिश कर रहे हैं कि असली कहानियां कैसी होनी चाहिए। सच कहूं तो हम असली सिनेमा बनाना ही भूल चुके हैं। उम्मीद करता हूं कि अब चीजें बदलेंगी और हम फिर से अपनी जड़ों की ओर लौटेंगे, वही कहानियां कहेंगे जो हमारे दिलों से निकले और सीधे दर्शकों के दिलों तक पहुंचें।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के लिए भी तय की डेडलाइन

- तीन महीने में बिल पर फैसला अनिवार्य
- राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं : कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है और उनके निर्णय की न्यायिक समीक्षा भी की जा सकती है। यह आदेश 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया, जो 8 अप्रैल को तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में दिए गए फैसले का हिस्सा है। अदालत ने इस दौरान संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला देते हुए चार महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट की:

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के 4 मुख्य बिंदु

निर्णय लेना अनिवार्य

अगर राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित बिल को राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजते हैं, तो राष्ट्रपति को बिल मंजूर या अस्वीकार करना ही होगा। अनिश्चितकाल तक निर्णय टालना संविधान के खिलाफ है।

न्यायिक समीक्षा संभव

राष्ट्रपति का निर्णय अनुच्छेद 201 के तहत कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है, खासकर तब जब निर्णय केंद्र सरकार की मनमर्जी से लिया गया हो या राज्य कैबिनेट की सलाह की अनदेखी की गई हो।

तीन महीने की समय-सीमा

राष्ट्रपति को बिल प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि देरी होती है तो उसका ठोस कारण बताना पड़ेगा।

बार-बार बिल लौटाना अनुचित

अगर राष्ट्रपति किसी बिल को संशोधन के लिए लौटाते हैं और विधानसभा उसे पुन: पारित करती है, तो उसे मंजूरी देनी होगी। बार-बार बिल लौटाने की प्रक्रिया असंवैधानिक मानी जाएगी।

राज्यपाल पर पहले ही कसा था शिकंजा

8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा 10 विधेयकों को रोके जाने को अनुचित करार देते हुए कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है और उन्हें एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। कोर्ट ने राज्यपाल के कदम को मनमाना और कानून के खिलाफ बताया था।

कपिल सिब्बल ने फैसले को बताया ऐतिहासिक

पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अब केंद्र सरकार राज्यों के विधेयकों पर जानबूझकर देरी नहीं कर सकेगी। उन्होंने कहा कि अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट में समय सीमा तय करने का विरोध किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के इस रुख को खारिज कर संविधान सम्मत निर्णय दिया।

सुखबीर बादल फिर बने अकाली दल के प्रधान

- 5 महीने बाद पद पर वापसी
- अकाल तख्त से घोषित हो चुके थे तनखाहिया

एजेंसी । अमृतसर

पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान चुन लिए गए हैं। किसी और नाम की अनुपस्थिति में सर्वसम्मति से सुखबीर के नाम पर मुहर लग गई। अकाली दल का दोबारा अध्यक्ष बनने पर सुखबीर बादल ने सभी से इकट्ठे होकर चलने का आह्वान किया। सुखबीर ने कहा कि एक राजनीतिक साजिश के तहत अकाली दल को खत्म करने की योजना लागू हो रही थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों का मजबूत होना समय की जरूरत है। सुखबीर ने कहा कि सभी को एकजुट होकर अकाली दल को खत्म करने वाली पार्टियों का विरोध करना होगा। वहीं वरिष्ठ नेता बिक्रम मजीठिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अकाली दल को तोड़ने की साजिश करती रही है। मजीठिया ने कहा कि बागी भी अकाली विरोधी पार्टियों के हाथों में खेल रहे हैं।

2008 से थे प्रधान, नवंबर में दिया था इस्तीफा

सुखबीर 2008 से लगातार शिअद के प्रधान थे। पिछले साल नवंबर में उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से पार्टी में नए अध्यक्ष के नाम की चर्चाएं तेज थीं।

पार्टी में बगावत के बाद से बढ़ा इस्तीफे का दबाव

पंजाब में शिअद के पतन भले ही बेअदबी की घटनाओं के बाद शुरू हो गया था लेकिन जब तक प्रकाश सिंह बादल जीवित रहे, पार्टी में विरोधी सुर मुखर नहीं हुए। उनके निधन के बाद से ही वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी प्रधान सुखबीर बादल पर निशाना साधना शुरू कर दिया। पार्टी प्रधान को बदलने की मांग उठने ली। सुखबीर प्रधानगी छोड़ने को राजी नहीं हुए तो कई वरिष्ठ नेताओं ने शिअद का साथ छोड़ अलग पार्टी बना ली। प्रेम सिंह चंदूमाजरा, गुरप्रताप वडाला और बीबी जागीर कौर समेत कई नेताओं ने सुधार लहर को शिअद के बराबर खड़ा कर दिया। बेअदबी के मामलों को लगातार उठाकर सुखबीर पर इस्तीफे के लिए दबाव डाला।

न्यूज़ ब्रीफ

तमिलनाडु बीजेपी के नए अध्यक्ष बने नयनार नागेंद्रन

चेन्नई। तमिलनाडु में भाजपा विधायक नयनार नागेंद्रन को नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के 13वें अध्यक्ष बने है। नागेंद्रन के नेतृत्व में तमिलनाडु भाजपा को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। भाजपा के द्वारा नयनार नागेंद्रेन को प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने उन्हें बधाई दी। साथ ही विश्वास जताया कि पार्टी राज्य में और मजबूत होगी। अन्नामलाई ने आगे कहा कि हमें अपना लक्ष्य और रास्ता दोनों पता है। हम 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे मजबूत एनडीए गठबंधन के साथ उतरेंगे और डीएमके को सत्ता से बाहर करेंगे।

शारीरिक शोषण करना चाहता था आईएएस अधिकारी

कोहिमा। नागालैंड पुलिस ने इन्वेस्टमेंट एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ नागालैंड (IDAN) में काम करने वाली कई महिला कर्मचारियों द्वारा एक IAS अधिकारी पर यौन और मानसिक उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (SIT) बनाई है और एक FIR दर्ज की है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नागालैंड राज्य महिला आयोग (NSCW) की अध्यक्ष नगिनयेह कोन्याक ने 17 मार्च को पुलिस महानिदेशक (DGP) को लिखित शिकायत दी थी। इससे पहले 27 फरवरी को IDAN के चेयरमैन अबू मेथा ने इस IAS अधिकारी के खिलाफ मौखिक शिकायत की थी। अबू मेथा मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के सलाहकार भी हैं।
आरोपी IAS अधिकारी IDAN, कोहिमा में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हालांकि, उन्होंने महिला कर्मचारियों द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। NSCW ने DGP को लिखित शिकायत देने से पहले पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज किए थे, जो IDAN में काम करती हैं। IDAN में काम करने वाली कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि IAS अधिकारी ने वेतन वृद्धि और अन्य लाभों के बदले शारीरिक संबंध की मांग की थी।

तेलंगाना के 'ट्री मैन' दरिपल्ली रामैया का निधन

- एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए

एजेंसी । हैदराबाद

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित दरिपल्ली रामैया का शनिवार को तेलंगाना के खम्मम में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। वह ट्री मैन के नाम से प्रसिद्ध थे। रामैया ने पांच दशकों से अधिक समय तक इस मिशन को आगे बढ़ाया और अनुमान है कि अपने जीवनकाल में एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए। खम्मम के रेड्डीपल्ली में घर पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा।

पीएम मोदी ने जताया दुख

पीएम नरेन्द्र मोदी सहित कई अन्य नेताओं ने रामैया के निधन पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि दरिपल्ली रामैया गारू के अथक प्रयासों में प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम और भावी पीढ़ियों के प्रति चिंता झलकती है। उनका काम युवाओं को हरित ग्रह बनाने के प्रयास के लिए प्रेरित करता रहेगा।

बेंगलुरु पार्क में युवक-युवती से मारपीट

बुर्का पहन मुस्लिम लड़की के साथ दिखा हिंदू लड़का, 5 आरोपी हिरासत में

एजेंसी । नई दिल्ली

शहर के चंद्रा सुवर्णा लेआउट पार्क में एक हिंदू युवक और मुस्लिम युवती के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। दोनों स्कूटी पर पार्क में बैठे थे, तभी कुछ युवकों ने उन्हें घेर लिया, सवाल-जवाब करने लगे और पूरी घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट की और युवती से पूछा, "तुम बुर्का पहनकर हिंदू लड़के के साथ क्यों बैठी हो? शर्म नहीं आती?" उन्होंने लड़की से उसके घरवालों का नंबर भी मांगा। इनकार करने पर उसे डराने-धमकाने लगे। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों — महिम, अफरीदी, वसीम, अंजुम और एक नाबालिग — को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ जारी है।

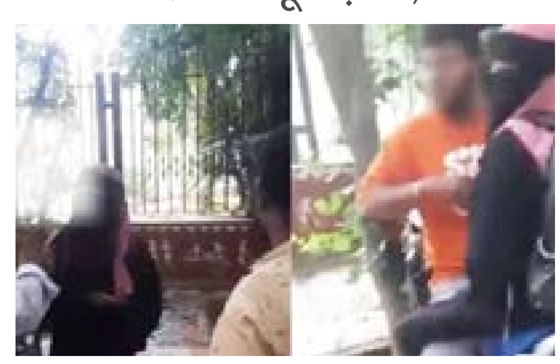

पुलिस की कार्रवाई जारी

पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर पार्क में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वायरल वीडियो के आधार पर अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है।

घटना पर गरमाई सियासत

घटना के बाद कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है। राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, ₹यह यूपी, बिहार या मध्य प्रदेश नहीं है। कर्नाटक में ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।₹ उनके बयान पर पलटवार करते हुए यूपी बीजेपी ने कहा, ₹कांग्रेस की सरकार कभी यूपी जैसी बन ही नहीं सकती। यूपी में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होती है। कर्नाटक सरकार को यूपी से कानून व्यवस्था सीखनी चाहिए।

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर फिर हिंसा

- 3 की हुई मौत
- भीड़ ने की पिता-पुत्र की बेरहमी से हत्या
- 118 लोगों को किया गया गिरफ्तार

एजेंसी । मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज इलाके में वक्फ कानून को लेकर फिर हुए विरोध प्रदर्शन ने अचानक हिंसक शक्ल ले ली, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई थी, इस हिंसा में अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालात को देखते हुए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े, जबकि कुछ इलाक़ों में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की भी मदद ली गई है।

भीड़ ने की पिता-पुत्र की हत्या

आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार दोपहर शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में हालात उस वक्त और बिगड़ गए जब हिंसक भीड़ ने गांव पर अचानक धावा बोल दिया। इस हमले में एक ही परिवार के दो लोग- पिता और पुत्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद बड़ी तादाद में लोग सड़क पर उतर आए और वक्फ कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। शमशेरगंज से सटे धूलियन इलाके में प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया, पुलिस की गाड़ी पर पत्थर फेंके और कुछ वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हुए। कुछ पुलिसकर्मियों को जान बचाने के लिए एक मस्जिद में पनाह लेनी पड़ी। शनिवार को हिंसा धुलियान तक फैल गई, जहां एक व्यक्ति को गोली लगने की खबर है।

कानून को लेकर राजनीति जारी

इस बीच ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ₹जिस कानून को लेकर लोग नाराज हैं, वो हमने नहीं बनाया। ये केंद्र सरकार का कानून है और हमने साफ कहा है कि ये कानून बंगाल में लागू नहीं होगा। फिर ये दंगा किसलिए?₹ वहीं भाजपा ने इस मसले पर ममता सरकार को घेरा। बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ₹अगर भाजपा सत्ता में आई, तो इस तरह की गुंडागर्दी और अल्पसंख्यकों की हिंसा को पांच मिनट में खत्म कर देंगे।

आरएसएस संस्थापक के नाम पर केरल में 'बवाल'

- कांग्रेस ने बीजेपी नेता के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

पलक्कड़। केरल में विकलांगों के लिए बने कैशल विकास केंद्र ने सत्ता के गलियारों में भूचाल खड़ा कर दिया है। इसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने हैं। इसके नाम को लेकर सियासत इतनी बढ़ी कि बात पुलिस स्टेशन तक जा पहुंची। कांग्रेस विधायक ने बीजेपी नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी है। तो आइए जानते हैं कि आखिर पूरा माजरा क्या है? दरअसल शुक्रवार को केरल के पलक्कड़ में बीजेपी नेता ने विकलांगों के लिए एक कौशल विकास केंद्र की नींव रखी। इस केंद्र का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के संस्थापक केबी हेडगेवार के नाम पर रखा गया है। इसी नाम को लेकर कांग्रेस में घमासान छिड़ गया। कांग्रेस विधायक समेत कई कार्यकर्ताओं ने इसके नाम पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की, जिसे लेकर बीजेपी नेता भी मुखर हो गए। पलक्कड़ से बीजेपी के जिलाध्यक्ष प्रशांत सिवन ने पलक्कड़ के कांग्रेस विधायक ममकूटाथिल को सरेआम धमकी दे डाली। प्रशांत ने कहा कि अगर वो चाह लें तो ममकूटाथिल का पलक्कड़ में पैर रखना भी मुश्किल हो जाएगा। वहीं, प्रशांत पर पलटवार करते हुए ममकूटाथिल ने कहा कि जब तक उनके पैर सलामत हैं, वो RSS के खिलाफ डटकर खड़े रहेंगे।

कांग्रेस विधायक ने किया पलटवार

खबरों की मानें तो ममकूटाथिल ने प्रशांत के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अगर वो (प्रशांत सिवन) मेरे पैर काट भी देंगे, तो मैं अपने शरीर के बाकी बचे हिस्से से RSS के खिलाफ बोलूंगा। मुझे चुप करवाने के लिए उन्हें मेरी जीभ काटनी पड़ेगी। इसके बावजूद मैं RSS के खिलाफ काम करता रहूंगा। मैं उनकी इन खोखली धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। बीजेपी जिला अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि मैं जनता का प्रतिनिधि हूं और चुनाव जीतकर यहां तक पहुंचा हूं। इसलिए मैं देखना चाहता हूं कि ऐसी धमकियां देने वालों के खिलाफ केरल पुलिस उनके खिलाफ क्या कार्रवाई करती है?

दिल्ली विधानसभा को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिलाने की तैयारी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा मिल सकता है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 113 साल पुरानी इस इमारत को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए बैठकें शुरू कर दी हैं। बीते शुक्रवार को भी अधिकारियों के साथ बैठक हुई है। गुप्ता ने कहा कि वह जल्द ही इसका प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र शेखावत से मुलाकात करेंगे। इसके बाद एएसआई को आगे की कार्यवाही के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा मिलने के बाद विधानसभा भवन परिसर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। उसके संरक्षण काम ज्यादा बेहतर तरीके से होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा भवन राष्ट्रीय धरोहर घोषित होने के बाद विशेष दिन जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस या फिर सप्ताह में एक-दो दिन आम लोगों के विजिट के लिए खुला रहेगा। दिल्ली विधानसभा परिसर में एक फांसी घर मिला है। साल 2016 में सुरंग का पता लगने के बाद फांसी घर की भी बात सामने आई थी।

फैक्ट फाइल

- 113 साल पुरानी इमारत है
- 1911-12 में इमारत बनकर तैयार हुई थी
- 1952 में पहली बार दिल्ली विधानसभा का गठन हुआ था
- 1956 में दिल्ली विधानसभा को भंग कर दिया गया
- 1993 में दोबारा से दिल्ली विधानसभा का गठन हुआ

1912 बनकर तैयार हुई थी इमारत

अलीपुर रोड पर विधानसभा भवन साल 1911 में बनकर तैयार हुआ था। 1912 में जब देश की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित किया गया तो इस भवन को केन्द्रीय विधानसभा के रूप में इस्तेमाल किया गया। इसे बनाने वाले आर्किटेक्ट मॉन्टेग्यू थॉमस थे। इमारत चंद्रावल गांव की जमीन पर बनी है। स्थानीय लोगों को जमीन के बदले किरोड़ीमल कॉलेज के पास जगह दी गई, जिसे चंद्रावल गांव कहा जाता है। जब इसका डिजाइन तैयार करते समय 10 एकड़ में सिर्फ हरियाली के रखी गई। उस समय सिंध (अब पाकिस्तान में) के शहर सक्कर के सेठ फतेहचंद इसके ठेकेदार थे।

परिसर में संग्रहालय बनाया जाएगा

विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि 100 साल से अधिक पुरानी इस इमारत को नेशनल हेरिटेज का दर्जा दिलाने का मकसद इसका संरक्षण सुनिश्चित करना है। राष्ट्रीय विरासत का दर्जा मिलने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इसमें कामकाज बंद हो जाएगा। अवकाश वाले दिन आम लोग इस परिसर में घूम सकेंगे।

गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए कांग्रेस ने पर्यवेक्षक किए नियुक्त

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस ने 2027 में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर गुजरात में अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इस कड़ी में राज्य में 41 जिला अध्यक्षों के चुनाव को हरी झंडी दे दी गई है। इन 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 50 और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के 183 नेताओं को जिम्मा सौंपा गया है। यह जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यहां दी।